हिन्दी दैनिक

हैदराबाद और चेन्नई से प्रकाशित

आकाश ज्योति

08

वर्ष-23 अंक: 344 हैदराबाद, रविवार, 22 फरवरी 2026, कुल मुद्रित पृष्ठ : 08, मूल्य: 5/- Circulated in Telangana State, Andhra Pradesh and Tamil Nadu

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट को लेकर सियासी विवाद तेज

AI Summit Row: कांग्रेस के विरोध में BJP का देशव्यापी प्रदर्शन; IYC के चार सदस्य कोर्ट में पेश; फैसला सुरक्षित

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। समिट के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन कर कड़ी आपत्ति जताई।

इस राष्ट्रविरोधी कृत्य के लिए कांग्रेस को माफ नहीं किया जाएगा

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की जनता इस राष्ट्रविरोधी कृत्य के लिए कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया भारत की एआई क्षमता को सलाम कर रही है और ऐसे में एआई समिट को बदनाम करने की कोशिश देश के खिलाफ है। बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करते-करते देश के खिलाफ प्रदर्शन करने के स्तर तक पहुंच गए

हैं। उन्होंने कहा कि एआई समिट कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन था, और ऐसे कार्यक्रम के खिलाफ विरोध करना उचित नहीं है।

कांग्रेस देश की छवि को नुकसान पहुंचाना चाहती है

मनोज तिवारी ने यह भी दावा किया कि एआई समिट में 80 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और सभी ने भारत के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे वैश्विक मंच पर विरोध प्रदर्शन करना देश की छवि को नुकसान पहुंचाने जैसा है।

आईवाईसी के चार सदस्य को पटियाला हाउस कोर्ट में किया गया पेश

इस बीच, भारत मंडपम में एआई समिट के दौरान हुए विरोध प्रदर्शन के मामले में गिरफ्तार किए गए भारतीय युवा कांग्रेस के चार सदस्य को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। गिरफ्तार हुए सदस्य की पहचान कृष्णा हरि, कुंदन यादव, अजय कुमार और नरसिम्हा यादव के रूप में हुई है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने फैसले को सुरक्षित रखा है।

तमिलनाडु के छह जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान

एजेंसी

चेन्नई । मौसम विभाग ने शनिवार को तमिलनाडु के छह जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में एक नया निम्न दबाव क्षेत्र बनने की संभावना है, जिसका असर दक्षिण तमिलनाडु के मौसम पर दिखाई देगा। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दक्षिण तमिलनाडु और दक्षिण केरल के आसपास बना वायुमंडलीय परिसंचरण सक्रिय है, जिसके कारण कई जिलों में गरज-चमक के साथ व्यापक बारिश होने की संभावना है। शनिवार को कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन (थूथुकुडी), तेनकासी, विरुधुनगर और थेनी जिलों में भारी वर्षा का पूर्वानुमान जारी किया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि इन जिलों के

कुछ इलाकों में तेज गर्जना, बिजली चमकने और बहुत तेज बारिश की घटनाएं हो सकती हैं। निचले और संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष सतर्क रहने की सलाह दी गई है, खासकर उन स्थानों पर जहां जलभराव और स्थानीय बाढ़ की आशंका रहती है। बारिश का यह सिलसिला रविवार तक जारी रहने की संभावना है। रविवार को डिंडीगुल, मदुरै और थेनी जिलों में भी भारी बारिश हो सकती है। प्रशासन ने बताया कि मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर आगे की चेतावनी जारी की जाएगी। राजधानी चेन्नई में आज आसमान सामान्य रूप से बादलों से घिरा रहेगा। शहर के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। हालांकि चेन्नई के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन रुक-रुक कर होने वाली बारिश से गर्मी से अस्थायी राहत मिलने की उम्मीद है। इसी बीच राज्य के अन्य हिस्सों और पुडुचेरी में 24 फरवरी तक अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। अधिक नमी और ऊंचे तापमान के कारण अंदरूनी जिलों में उमस भरा मौसम बना रह सकता है। मौसम विभाग ने यह भी बताया कि बंगाल की खाड़ी में बना पिछला निम्न दबाव क्षेत्र गुरुवार को कमजोर पड़ गया था, लेकिन दक्षिण-पूर्व खाड़ी में बना नया वायुमंडलीय सिस्टम मजबूत होकर नए निम्न दबाव क्षेत्र में बदल सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार इस मौसम में ऐसे सिस्टम का बनना सामान्य है और इससे दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में आने वाले दिनों में बारिश की गतिविधि बढ़ सकती है। मछुआरों और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आधिकारिक मौसम बुलेटिन पर नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है।

सौराष्ट्र रूट की कई ट्रेनें 6 दिन प्रभावित रहेगी, कई देर से चलेंगी

राजकोट। सौराष्ट्र में राजकोट रेलवे डिवीजन के जामनगर-लाखाबावल सेक्शन में डबल ट्रैक कार्य के चलते ब्लॉक लिया गया है। इसके कारण 21 फरवरी से 26 फरवरी तक रेल यातायात आंशिक रूप से प्रभावित रहेगा। इस दौरान सौराष्ट्र मेल समेत कई ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट (आंशिक रद्द) किया गया है। पोरबंदर-शालीमार एक्सप्रेसः 26 फरवरी को यह ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग के बजाय जेतलसर-भक्तिनगर मार्ग से चलाई जाएगी।

देरी से चलने वाली ट्रेनें

ओखा-भावनगर एक्सप्रेसः 24 फरवरी को ओखा स्टेशन से 2 घंटे देरी से रवाना होगी। वैष्णोदेवी-जामनगर एक्सप्रेसः 23 फरवरी को मार्ग में 30 मिनट की देरी होगी। ओखा-बनारस एक्सप्रेसः 26 फरवरी को आवश्यकता अनुसार मार्ग में रोकी जा सकती है।

आंशिक रूप से रद्द/शॉर्ट टर्मिनेट ट्रेनें

भावनगर-ओखा एक्सप्रेस (25 फरवरी को) राजकोट तक ही चलेगी 7 मुंबई सेंट्रल-ओखा सौराष्ट्र मेल(25 फरवरी) राजकोट तक ही चलेगी 7शालीमार-ओखा एक्सप्रेस

(24 फरवरी) हापा तक ही चलेगी।

तिरुनेलवेली-जामनगर एक्सप्रेस (24 फरवरी) हापा तक ही चलेगी। ओखा-भावनगर एक्सप्रेस (26 फरवरी) राजकोट से चलेगी 7 ओखा-मुंबई सेंट्रल सौराष्ट्र मेल (26 फरवरी) राजकोट से चलेगी।

यात्रियों से अपीलः रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा शुरू करने से पहले रेलवे हेल्पलाइन या आधिकारिक ऐप के माध्यम से ट्रेन का स्टेटस जरूर जांच लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

दिल्ली को दहलाने की फिराक में लश्कर-ए-तैयबा

आईईडी हमले की साजिश, लाल किला और चांदनी चौक का मंदिर निशाने पर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सुरक्षा एजेंसियों ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को निशाना बनाने की आतंकी साजिश का खुलासा करते हुए हाई अलर्ट जारी किया है। खुफिया जानकारी के अनुसार, आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा दिल्ली के लाल किले के आसपास और चांदनी चौक स्थित एक प्रमुख मंदिर में बम धमाके की फिराक में हैं। यह अलर्ट पाकिस्तान के इस्लामाबाद में हुई एक मस्जिद में हुए ब्लास्ट का बदला लेने की मंशा से जोड़कर देखा जा रहा है। खुफिया सूत्रों ने बताया कि लश्कर-ए-तैयबा संगठन आईईडी के जरिए हमला करने की साजिश रच रहा है। विशेष रूप से, चांदनी

चौक इलाके में स्थित एक मंदिर को संभावित लक्ष्य के रूप में देखा जा रहा है। यह आतंकी संगठन पाकिस्तान के इस्लामाबाद में 6 फरवरी को हुए एक मस्जिद विस्फोट के बाद भारत में बड़ा आतंकी हमला करने की फिराक में है। खुफिया इनपुट के अनुसार, लश्कर-ए-तैयबा देश भर के प्रमुख मंदिरों को भी निशाना बना सकता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि देश के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल इस आतंकी संगठन के निशाने पर हैं।

खुफिया सूत्रों ने कहा, 'दिल्ली में लाल किले के सामने ब्लास्ट का अलर्ट है। आतंकवादी चांदनी चौक में एक मंदिर को निशाना बना सकते हैं। लश्कर-ए-तैयबा आईईडी हमले की साजिश रच रहा है। 6 फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद स्थित एक मस्जिद में हुए विस्फोट के बाद यह संगठन भारत में बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। देश के बड़े मंदिरों को लश्कर-ए-तैयबा निशाना बना सकता है।' बता दें कि दिल्ली में पिछले साल ही 10 नवंबर को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास बम धमाका हुआ था। जिसमें 10 से ज्यादा लोग मारे गए थे और कई लोग घायल हुए थे। धमाका लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास विस्फोटकों से भरी कार में हुआ था।

बिहार में भीड़भाड़ वाले स्थानों में पैदल यात्रियों के लिए बनेंगे फुटपाथ, सीएम नीतीश ने दिए निर्देश

एजेंसी

पटना । बिहार में अब सड़क दुर्घटनाएं कम करने के लिए सरकार ने ग्रामीण और शहरी इलाकों में पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ का निर्माण एवं सीसीटीवी कैमरा लगाने की योजना बनाई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने परिवहन विभाग को इसके लिए निर्देश भी दिए हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए लिखा है कि बिहार प्रगति के पथ पर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। राज्यवासियों की आमदनी बढ़ रही है, जिसके कारण राज्य की सड़कों पर दो पहिया-चार पहिया वाहनों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, किंतु राज्य की सड़कों पर बढ़ते वाहनों की वजह से पैदल चलने वाले यात्रियों को असुविधा होती है। उन्होंने आगे कहा कि सड़क पर सुरक्षित एवं सम्मानपूर्वक चलना पैदल चलने वाले लोगों का पहला अधिकार है। इसे लेकर परिवहन विभाग को सड़क सुरक्षा के मानकों को ध्यान में रखते हुए राज्य के शहरी क्षेत्रों में विशेषकर भीड़-भाड़ वाले स्थानों को चिह्नित कर यथाशीघ्र फुटपाथ बनाने के निर्देश दिया गया है। इसके अलावा सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों की सुविधा के लिए चिह्नित जगहों पर जेब्रा क्रॉसिंग बनाने, पैदल चलने वाले लोगों की सुविधा के लिए चिह्नित स्थानों पर फुट ओवरब्रिज, एस्केलेटर और अंडरपास बनाने तथा सभी सरकारी एवं निजी वाहन चालकों को प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया गया है, ताकि वाहन चालक सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील हो सके। सीएम नीतीश कुमार ने आगे लिखा कि राज्य के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में अधिक सड़क दुर्घटना की संभावना वाली जगहों को चिह्नित कर पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ का निर्माण एवं सीसीटीवी कैमरा लगाने का भी निर्देश दिया गया है, ताकि उसका आकलन कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

मेहसाणा में भीषण सड़क हादसा, डिवाइडर से टकराकर पलटी कार, एक परिवार के 5 लोगों की मौत

एजेंसी

महेसाणा । गुजरात के मेहसाणा जिले में भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।?जानकारी के मुताबिक, एक परिवार राजस्थान में शादी में शामिल होने के बाद ईको कार से अहमदाबाद के रामोल वापस लौट रहा था। इस दौरान ऊंझा के उनावा के पास कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसा होते ही मौके पर ही चीख-पुकार मच गई। कार के परखच्चे उड़ गए। हादसा होते ही मौके पर भीड़ लग गई। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और बचाव कार्य शुरू किया। इस दर्दनाक सड़क हादसे में पिता-पुत्र, एक महिला और एक बच्चे सहित कुल 5 लोगों की जान चली गई है। जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे में घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। सड़क हादसे में रामलाल कुमावत, कोमल कुमावत, कैलाश कुमावत, एक बच्चा और एक वृद्ध महिला की मौत हुई है। उनावा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ आगे की कानूनी कार्यवाही

शुरू कर दी है। यह हाल ही में गुजरात में हुआ दूसरा बड़ा सड़क हादसा है। इससे पहले, यहां के वलसाड जिले में कपारड़ा-नानापोंढा हाईवे पर कुंभघाट के पास हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने जानकारी दी कि मृतक कपारड़ा तालुका के अंबा जंगल गांव के निवासी थे। हादसे के समय कार में कुल सात लोग सवार थे, जिनमें पांच पुरुष और दो महिलाएं शामिल थीं।

यह दुर्घटना कुंभघाट के उस तीखे मोड़ पर हुई, जिसे अधिकारी पहले से ही दुर्घटना-प्रवण क्षेत्र बताते रहे हैं। ट्रक और कार की आमने-सामने टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। पुलिस के मुताबिक, पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। दो गंभीर रूप से घायल पुरुषों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। इस तरह मृतकों की संख्या सात हो गई।

एआई समिट हंगामाः दिल्ली पुलिस ने यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को किया कोर्ट में पेश

मांगी 5 दिन की कस्टडी

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने शनिवार को 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में प्रदर्शन करने वाले यूथ कांग्रेस के 4 कार्यकर्ताओं को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। पुलिस ने अदालत से आरोपियों की 5 दिन की रिमांड मांगी। हालांकि, यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की ओर से अदालत में जमानत याचिका भी दाखिल की गई है। दिल्ली पुलिस के वकील ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान देशविरोधी नारे लगाए गए। नेपाल के 'जेन-जी' की तर्ज पर देश को बांटने वाले नारे लगाए। उन्होंने प्रदर्शन की ऐसी जगह चुनी, जहां दूसरे देशों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद थे। पुलिस ने दावा किया कि प्रदर्शनकारियों ने धक्कामुक्की की और इस दौरान कुछ पुलिसवालों को चोट लगी। इसके साथ ही, दिल्ली पुलिस ने आरोपियों की 5 दिनों की कस्टडी मांगी। दिल्ली पुलिस के वकील ने कहा कि अगर आरोपी पढ़े-लिखे हैं तो उन्हें जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। अदालत ने पुलिस से पांच दिन की रिमांड का

कारण पूछा। पुलिस की ओर से कहा गया, 'मामले में जांच करनी है कि साजिश किसने रची और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

टी-शर्ट कहां छापी गई। ' आरोपियों के वकील ने पुलिस रिमांड की मांग का विरोध किया। उन्होंने कहा कि ये गिरफ्तारी लोकतंत्र की गरिमा को कम करने वाली है। अगर प्रदर्शन के चलते गिरफ्तारी होने लगी तो संसद में प्रदर्शन करने वाले सांसदों की भी गिरफ्तारी हो जाएगी।

यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने कहा, 'आरोपी एक राजनैतिक दल से जुड़े हैं, जो विपक्ष में है। उन्होंने 'भारत मंडपम' में शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया। कहीं कोई सबूत नहीं है कि इन्होंने किसी को चोट पहुंचाई। प्रदर्शन संवैधानिक अधिकार है। ऐसे में पुलिस रिमांड की कोई जरूरत नहीं है। ' अदालत में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एक याचिका दाखिल करते हुए जमानत की मांग की। वकील ने कहा कि ये नौजवान हैं और इनका करियर बाकी है। फिलहाल मामले में अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

एआई समिट में हंगामा : सुधांशु त्रिवेदी ने यूथ कांग्रेस को बताया 'लश्कर-ए-राहुल', बोले- देश कभी माफ नहीं करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एआई समिट में यूथ कांग्रेस के हंगामे पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 'लश्कर-ए-राहुल' के झंडाबरदार भारत की इज्जत को तार-तार करने में लगे हुए हैं। इस तरह के निंदनीय कृत्य के लिए देश की जनता कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगी। सुधांशु त्रिवेदी ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'विश्व एआई शिखर सम्मेलन में जहां एक तरफ भारत की प्रतिभा और बुद्धिमत्ता का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस की निम्नता और नग्नता का एक शर्मनाक प्रदर्शन देखने को मिला। जो कुछ कांग्रेस ने किया, ये सिर्फ एक राजनीति नहीं है, इसे सिर्फ नकारात्मक राजनीति कहकर छोड़ा नहीं जा सकता।' उन्होंने आगे कहा, 'ये राष्ट्र के साथ हो रहे द्रोह के समकक्ष है, क्योंकि पूरा देश इस विषय को लेकर उद्वेलित भी है और आक्रोशित भी है। इस तरह के निंदनीय कृत्य के लिए देश की जनता कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगी। ' भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कभी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में निम्न स्तरीय और नग्नता की राजनीति का प्रदर्शन नहीं हुआ। लेकिन राजनीति की मर्यादाओं को तोड़ते-तोड़ते कांग्रेस पार्टी आज उस स्थिति में पहुंच गई है, जहां राजनीति और राष्ट्र के विरोध की सीमा समाप्त होती है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस के मन में शायद आज भी भारत की वह छवि है, जब भुखमरी थी और लोगों के पास पहनने को कपड़े नहीं थे। भारतीयों की अर्धनग्न तस्वीरें ही दिखाई जाती थीं। इसलिए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर वही पुराने भारत की अर्धनग्न तस्वीर दिखाने का प्रयास किया, जो निंदनीय है। यूथ कांग्रेस को 'लश्कर-ए-राहुल' बताते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा, 'अभी तक राहुल गांधी विदेश में जाकर भारत के बारे में अपमानजनक, आपत्तिजनक और

निंदनीय बयान देते थे। अब 'लश्कर-ए-राहुल' के सिपाही भारत की धरती पर भी विदेशी मेहमानों के सामने देश की छवि को खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। ' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व की आधुनिकतम तकनीक एआई में भारत अग्रिम भूमिका में दिखाई पड़ रहा है, तो कांग्रेस को यह बर्दाश्त नहीं हो रहा है। जहां एक तरफ पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत का शानदार उभार दिख रहा है और भारत के प्रति पूरे विश्व में सम्मान और संभावनाओं का पारावार दिख रहा है, वहीं दूसरी तरफ 'लश्कर-ए-राहुल' के झंडाबरदार भारत की इज्जत को तार-तार करने में लगे हुए हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने ब्राजील के राष्ट्रपति लूला से मुलाकात की, रणनीतिक साझेदारी आगे बढ़ाने पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर ने शनिवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। राष्ट्रपति लूला से मुलाकात के बाद एस. जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट लिखा, 'भारत के राजकीय दौरे पर आए ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हमारी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए उनकी गर्मजोशी भरी भावनाओं और गाइडेंस की बहुत तारीफ करता हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे भरोसा है कि आज बाद में पीएम नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मीटिंग से हमारे संबंधों को नई रफ्तार मिलेगी। ' इसके बाद ब्राजील के राष्ट्रपति ने भारत की प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मु और पीएम मोदी से मुलाकात की। मुलाकात के बाद अब पीएम मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति एक द्विपक्षीय मीटिंग करेंगे। ईएएम ने भरोसा जताया कि दिन में बाद में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ब्राजील के प्रेसिडेंट की मीटिंग से द्विपक्षीय संबंधों को नई रफ्तार मिलेगी।इससे पहले, विदेश मंत्रालय ने कहा था, 'दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे। प्रधानमंत्री आने वाले गणमान्य व्यक्ति के सम्मान में लंच होस्ट करने वाले हैं। दोनों नेता आपसी हितों के क्षेत्रीय और ग्लोबल मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे, जिसमें बहुपक्षीय फोरम में सहयोग, रिफॉर्म्ड मल्टीलेटरलिज्म, ग्लोबल गवर्नेंस और ग्लोबल साउथ से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। ' बता दें, राष्ट्रपति लूला दूसरे एआई इम्पैक्ट समिट के लिए 18 फरवरी को भारत पहुंचे। उनके साथ करीब 14 मंत्री और ब्राजील की कंपनियों के टॉप सीईओ का एक बड़ा डेलीगेशन भी है। साथ आए मंत्री अपने भारतीय समकक्षों के साथ मीटिंग करेंगे। यह प्रेसिडेंट लूला का भारत का छठा दौरा है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा, 'वे पहली बार 2004 में रिपब्लिक डे सेलिब्रेशन के गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर भारत आए थे और आखिरी बार सितंबर 2023 में जी20 समिट के लिए भारत आए थे। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रेसिडेंट लूला दोनों बीच-बीच में अक्सर मिलते रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी 7-8 जुलाई 2025 तक राजकीय दौरे पर ब्रासीलिया में थे, जो पिछले 57 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला राजकीय दौरा था। दोनों नेता नवंबर 2025 में जी20 के दौरान जोहान्सबर्ग में भी मिले थे।

झारखंड के गिरिडीह में जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष की हत्या, जंगल से मिला अधजला शव

एजेंसी

गिरिडीह । झारखंड के गिरिडीह जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष राकेश महतो का अधजला शव शनिवार को निमियाघाट थाना क्षेत्र के खांखी जंगल से बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल की परिस्थितियां बता रही हैं कि उनकी हत्या की गई और उनकी पहचान छिपाने के लिए शव को पेड़ों के पत्तों से जलाने का प्रयास किया गया। इसकी खबर फैलते ही पूरे जिले में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही डुमरी एसडीपीओ सुमित कुमार के नेतृत्व में निमियाघाट और डुमरी थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आसपास के इलाके की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में हत्या की पुष्टि हुई है। फिलहाल हत्या के कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। राकेश महतो डुमरी क्षेत्र के प्रभावशाली और लोकप्रिय राजनीतिक व्यक्तित्व माने जाते थे। वे वर्ष 2016 में जिला परिषद चुनाव जीतने के बाद गिरिडीह जिला परिषद के अध्यक्ष बने थे। उनकी हत्या की खबर से इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजन और स्थानीय ग्रामीणों ने डुमरी-फुसरो रोड के घुटवाली इलाके में सड़क जाम कर दिया है। वे हत्याकांड का खुलासा कर दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने घटना पर गहरी नाराजगी जताते हुए पुलिस से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि राकेश महतो पार्टी के सक्रिय नेता थे।

हिसार में रेलवे पावर हाउस में लगी आग, बाधित रही बिजली सप्लाई

एजेंसी

हिसार। सदर क्षेत्र के गांव सातरोड खुर्द के पास स्थित रेलवे के बिजली घर में अचानक आग लग गई। बिजली घर के पीछे पड़ी नगर निगम की एसटीपी की रबड़ पाइपों की वजह से यह आग और भड़क गई। पावर हाउस में तैनात कर्मचारियों की सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल की पांच गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद लगभग एक घंटे में आग पर काबू पाया। पावर हाउस में आग लगने की वजह से लगभग आधा घंटा तक बिजली सप्लाई बाधित रही। मौजूद रेलवे कर्मियों ने बताया कि को अचानक यह आग लग गई। बिजली घर के पीछे ही नगर निगम की पाइपें पड़ी थी, जो आग की चपेट में आ गई और आग ज्यादा भड़क गई। एहतियात के तौर पर लगभग आधा घंटे से ज्यादा समय तक सप्लाई को बंद करना पड़ा। आग की सूचना पाकर रेलवे अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जायजा लिया। रेलवे के जिस पावर हाउस में आग लगी है वहां से 50 किमी तक बिजली सप्लाई होती है। रेलवे की इलेक्ट्रिक गाड़ियों को यहीं से करेंट मिलता है। हर 50 किमी पर रेलवे ने इसी तरह पावर हाउस बनाए हुए हैं। यह पावर हाउस 132/27 केवी का है, जो वर्ष 2016 में बनकर तैयार हुआ था। रेलवे के टेक्नीशियन संदीप कुमार ने बताया कि पावर हाउस पूरी तरह सुरक्षित है। आग से किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

हरियाणा के शिक्षण संस्थानों में गुरु-शिष्य योजना लागू

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो.असीम कुमार घोष ने हरियाणा सरकार का रोड मैप सदन के माध्यम से प्रदेश वासियों के सामने पेश करते हुए कहा है कि विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में डिग्री के साथ कौशल पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार की ओर से गुरु-शिष्य योजना की शुरुआत की गई है। अब तक 219 गुरुओं और 270 शिष्यों को नामांकित किया गया है। इनमें 126 गुरुओं को मान्यता दी जा चुकी है। वहीं, पलवल, फरीदाबाद, सिरसा, ऐलनाबाद, होडल और पंचकूला में कौशल को बढ़ावा देने के लिए गुरु-शिष्य योजना चलाई जा रही है। वहीं 2022-23 के लिए, हरियाणा ने 34.8 प्रतिशत का सकल नामांकन अनुपात हासिल किया है, जबकि लड़कियों का 39.1 प्रतिशत नामांकन महिला सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ा कदम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को बढ़ावा देने के लिए नायब सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार की ओर से 20 किलोमीटर के दायरे में एक कॉलेज की स्थापना की गई है। सरकार की ओर से शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ नवाचार और अनुसंधान को भी गति दी जा रही है। इसको लेकर हरियाणा राज्य अनुसंधान कोष गठित किया गया है और 20 करोड़ रुपये की राशि आवंटित भी गई है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों में वैज्ञानिक सोच को नई गति देना है। इसके अतिरिक्त, 22 जिला स्तर के महाविद्यालयों में आम नागरिकों और विद्यार्थियों के लिए लाईब्रेरी की सुविधा मुहैया करवाई गई है।

हरियाणा हाउसिंग बोर्ड को एचएसवीपी में विलय को मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में कई दशकों से चल रहे हाउसिंग बोर्ड को सरकार ने भंग करके हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण में विलय को मंजूरी प्रदान कर दी है। विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकारी संकल्प पेश करते हुए कहा कि आवासन बोर्ड और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, दोनों के कार्य लगभग एक समान थे। उन्होंने आश्वस्त किया कि आवासन बोर्ड हरियाणा में कार्यरत सभी कर्मचारियों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है। यह संकल्प हरियाणा आवासन बोर्ड अधिनियम, 1971 की धारा 80 की उपधारा (1) के प्रावधानों के तहत पारित किया गया है। अब बोर्ड की सभी जिम्मेदारियां हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की होंगी। सरकार ने हाउसिंग बोर्ड को भंग करके इसका एचएसवीपी में विलय करने का प्रस्ताव सदन में पेश किया। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सवाल किया कि ऐसा क्या कारण रहे हैं जो सरकार इसे भंग करने जा रही है। सेक्टरों में आवंटन के लिए लॉटरी सिस्टम बंद होने से आम आदमी प्लॉट खरीद नहीं सकता। अब यह सिर्फ प्रॉपर्टी डीलरों तक सीमित रह गया है। सीएम सैनी ने जवाब दिया कि बोर्ड को मर्ज किया गया है। स्टाफ का भी ध्यान रखा गया है। किसी भी कर्मचारी की नौकरी नहीं जाएगी। कांग्रेस के विधायक बीबी बत्तरा ने कहा कि बताया नहीं गया इसमें क्या है। इस पर स्पीकर ने कहा कि पोर्टल पर डाल दिया है।

सहकारी समिति के सैल्समैन को 10,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

रोहतक। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो , रोहतक की टीम ने सहकारी समिति गांव भैंसवाल कालां में कार्यरत सैल्समैन सुभाष (56 वर्ष, निवासी कटवाल, सोनीपत) को 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता, जो खेतीबाड़ी का कार्य करते हैं, ने बताया कि उनके पास लगभग 3 एकड़ भूमि है और उन्होंने सहकारी समिति से एमसीएल कार्ड बनवाया है, जिसकी ऋण सीमा 60,000 रुपये थी। उन्होंने सीमा बढ़वाने का प्रयास किया, जिसके लिए 17 फरवरी 2026 को सैल्समैन सुभाष ने 15,000 रुपये की रिश्वत मांगी। बातचीत के बाद रिश्वत 10,000 रुपये में तय हुई। शिकायत मिलने पर निरीक्षक जगजीत सिंह के नेतृत्व में रेडिंग टीम ने सुभाष को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से बरामद राशि को जब्त किया गया है और मामले की गहन जांच जारी है। डॉ. ए.एस. चावला, निदेशक, हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो ने कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है और दोषी किसी भी सूरत में नहीं बख्शे जाएंगे।

हरियाणा सरकार ने तैयार किया विजन डाक्यूमेंट 2047

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की नायब सरकार ने इस अवधि तक राज्य की अर्थव्यवस्था को एक लाख करोड़ (एक ट्रिलियन डालर) तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए सरकार ने हरियाणा का विजन डाक्यूमेंट-2047 जारी किया है। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम घोष ने विधानसभा के बजट सत्र में अपने अभिभाषण के दौरान नायब सरकार के विजन डाक्यूमेंट-2047 की विस्तार से जानकारी दी। इस डाक्यूमेंट में विकसित हरियाणा बनाने के लिए छह मुख्य बिंदुओं का उल्लेख है।ट्रिपल-सी, ट्रिपल-एस, ट्रिपल-आइ, ट्रिपल-ई, ट्रिपल-आर और ट्रिपल-एच फार्मूले को अपनाते हुए हरियाणा को विकसित राज्य बनाने के साथ-साथ मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने का सपना सरकार ने देखा है। हरियाणा सरकार के विजन डाक्यूमेंट-2047 के पहले बिंदु ट्रिपल-सी के मुताबिक क्लीन, कार्बन नेगेटिव और कंड्यूसिव एनवायरमेंट के जरिये कार्बन नेगेटिव स्टेट बनाने की दिशा में सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है। ट्रिपल-एस का मतलब सेफ, सिक्योर और

सस्टेनेबल पालिसी को अपनाने की रणनीति है, जिसके जरिये हरियाणा के वित्त एवं सुरक्षा ढांचे को मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। ट्रिपल-आइ बिंदु का मतलब एआइ इनोवेशन, इनक्लूजन और इंटरनेशनल अलाइनमेंट के जरिये वैश्विक मानकों को पूरा करने से है, जिस दिशा में नायब सरकार पिछले एक साल से पूरी गंभीरता से काम कर रही है।

राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में हरियाणा को विकसित राज्य बनाने के जिस ट्रिपल-ई फार्मूले का जिक्र किया है, उसमें इक्विटेबल, इको फ्रेंडली और एक्सपेरिमेंटल फार्मिंग के बिंदु शामिल हैं। इन्हें अपनाकर हरियाणा की खेती को जल संरक्षण, तकनीक और नवाचार से जोड़ने की दिशा में सरकार ने काम करने की प्रतिबद्धता जताई है। ट्रिपल-आर बिंदु के अंतर्गत री-इमेजिन, री-डिजाइन और री-इनवेस्ट को शामिल किया गया है, जिनके माध्यम से युवाओं को भविष्य के रोजगार के लिए तैयार किया जाएगा।

हरियाणा को विकसित राज्य बनाने के विजन डाक्यूमेंट का अंतिम संकल्प ट्रिपल-एच पर आधारित है, जिसके अंतर्गत हेल्दी, होपफुल और हैप्पी बिंदु शामिल किए गए हैं। हेल्दी मतलब स्वस्थ, होपफुल मतलब आशावादी और हैप्पी मतलब खुशियां।

इन बिंदुओं के अंतर्गत राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हरियाणा का हर परिवार सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मान से जिंदगी जीये। विकसित हरियाणा के लिए इन लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु यह जरूरी बताया गया कि नीति निर्माण करने वाले सभी दल और उनके जनप्रतिनिधि इसमें सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

मंडल स्तर तक सशक्त, प्रशिक्षित व समर्पित कार्यकर्ता तैयार करना ही प्रशिक्षण का उद्देश्य : सुरेन्द्र पूनिया

एजेंसी

हिसार। भाजपा कार्यालय हिसार में प.दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत जिला अध्यक्ष डा. आशा खेदड़ की अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमे प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र पूनिया व प्रदेश सचिव सुरेन्द्र आर्य मुख्य वक्ता रहे। सभी कार्यकर्ताओं का रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन क्यूआर कोड के माध्यम से किया गया मुख्य वक्ता एवं प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र पूनिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता प्रशिक्षण के माध्यम से ही नेता बनते है। समय-समय पर प्रशिक्षण लेकर कार्यकर्ता अपडेट होता है। प्रशिक्षण हमारी रीढ़ है जिसकी महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यकर्ता को तराशने की प्रक्रिया है। हमें मंडल स्तर तक सशक्त, प्रशिक्षित और समर्पित कार्यकर्ता तैयार करना है। मुख्य वक्ता प्रदेश सचिव सुरेन्द्र आर्य ने कहा कि यह महा अभियान व्यक्ति से राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में 'विकसित भारत-विकसित हरियाणा' के संकल्प को सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता प्रशिक्षण से मिली जानकारी से अपडेट होकर सशक्त, प्रशिक्षित और समर्पित कार्यकर्ता बनें, यही हमारा उद्देश्य है। जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण शिविर बारे जानकारी देते हुए हर पहलू पर विस्तारपूर्वक बात रखी। उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से समय-समय पर प्रशिक्षण शिविर लगाने के फलस्वरूप ही हमारे कार्यकर्ता सशक्त, प्रशिक्षित और समर्पित बने हैं।

एमबीबीएस में दाखिले का झांसा देकर ठग लिए 25 लाख

एजेंसी

हिसार। नारनौंद क्षेत्र के गांव राखी खास में एमबीबीएस में दाखिला दिलाने के नाम पर 25 लाख रुपए की ठगी का समाचार है। काम न होने पर जब पैसे वापिस मांगे गए तो शिकायतकर्ता के परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस संबंध में गांव राखी खास निवासी डॉ. सुरेश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने अपनी बेटी कृति का एमबीबीएस में दाखिला करवाने के लिए जींद के श्री धाम सोसायटी सेक्टर-9 निवासी डॉ. कामनी आश्री (करियर प्रोवाइडर) को हायर किया था। आरोप है कि कामनी ने नेपाल के देवधा मेडिकल कॉलेज में दाखिले का भरोसा दिलाया था। उन्होनें बताया कि कामनी आश्री ने पूरे कोर्स की फीस 60 लाख 51 हजार 500 रुपए बताई थी। इसमें 25 लाख 18 हजार रुपए 15 किस्तों में और 5 लाख रुपए सर्विस चार्ज के रूप में मांगे गए।

डॉ. सुरेश कुमार ने पिछले वर्ष 30 जून को 10 लाख रुपए और 1 जुलाई को 4.50 लाख रुपए आरटीजीएस के माध्यम से दिए। बची राशि गूगल पे के जरिए दी गई। कुल मिलाकर करीब 25 लाख रुपए आरोपी महिला को सौंपे गए। बेटी के ओरिजनल एजुकेशन डॉक्यूमेंट्स भी दिए गए थे।काउंसलर ने सीट बुकिंग और अन्य दस्तावेज दिखाकर भरोसा दिलाया था। बाद में नेपाल के कॉलेज से पता चला कि छात्रा का एडमिशन नहीं हुआ है। जब इस संबंध में आरोपी से संपर्क किया गया, तो वह टालमटोल करती रही और कोई ठोस प्रमाण नहीं दिया। गत दिवस उसने साफ बताया कि एडमिशन नहीं हुआ है।

सुरक्षा के दृष्टिगत सीसीटीवी लगाने के लिए डीएमसी की अगुवाई में पुलिस की संयुक्त टीम देगी रिपोर्ट दे

एजेंसी

कैथल। एडीसी डॉ. सुशील कुमार ने कहा है कि कैथल शहर में जरूरत अनुसार अपराध एवं सड़क हादसे रोकने के लिए लगाए जाने वाले सीसीटीवी कैमरों को लेकर डीएमसी की अगुवाई में पुलिस की संयुक्त टीम जल्द से जल्द रिपोर्ट तैयार करेगी। इस रिपोर्ट के आधार पर नगर परिषद कैथल संबंधित प्वाइंटस पर सीसीटीवी कैमरे लगवाएगी ताकि सड़क हादसों को रोकने सहित आपराधिक घटनाओं की जांच में मदद मिल सके। पुलिस इन कैमरों की मदद से ऑनलाइन चालान जैसी कार्रवाई करते हुए यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कर पाएगी। इसके अलावा वन विभाग के अधिकारी जिले भर की सड़कों के किनारे उग आई झाड़ियों की कटाई-छंटाई सुनिश्चित करें ताकि वे हादसों का कारण न बनें। लोक निर्माण विभाग के

अधिकारी सड़कों की मरम्मत एवं नवनिर्माण के कार्य को तय सीमा में पूरा करवाएं। कई बार अधूरे कार्य हादसों का का कारण बनते हैं। इसके अलावा चौक-चौराहों पर खराब पड़ी रेड लाइट की रिपोर्ट तैयार करते हुए शहरी निकाय अधिकारी इन्हें ठीक करवाएं। एडीसी डॉ. सुशील कुमार लघु सचिवालय स्थित सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की जिला स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैठक में एजेंडे में शामिल सभी बिंदुओं पर एक-एक करके चर्चा की तथा अधिकारियों से पूर्ण फीडबैक ली। एडीसी ने कहा कि जिला में दुर्घटनाओं को रोकना हम सबकी साझी जिम्मेदारी है और इन सभी कार्यों को सामाजिक तौर पर प्राथमिकता से करें। कार्यों में कहीं भी लापरवाही न बरतें। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सभी चौकों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखें, कहीं भी जाम जैसी स्थिति पैदा न होने दें। ड्यूटी पर लगे पुलिस कर्मचारी अलर्ट होकर कार्य करें। बिना हेल्मेट व सीट बैलेट के लिए आमजन को जागरूक करें और नियमों का पालन न करने वालों पर कार्रवाई करते हुए चालानिंग की जाए। उन्होंने आरटीए को निर्देश दिए कि वे स्कूल बसों की चेकिंग को निरंतर जारी रखें। एडीसी डॉ. सुशील कुमार ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों के दुरुस्तीकरण कार्य में गति लाएं। विभाग से संबंधित जो-जो बिंदू एजेंडें में शामिल है।

हरियाणा विधानसभा में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री को श्रद्धांजलि

बजट सत्र के पहले दिन महान विभूतियों एवं वीर सैनिकों को किया नमन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के प्रथम दिन सदन में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महान विभूतियों, उनके सगे-संबंधियों तथा वीर सैनिकों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोक-संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट की। विपक्ष सहित सभी सदस्यों ने शोक प्रस्ताव का समर्थन किया।

सदन में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, भूतपूर्व राज्य मंत्री सुरेंद्र कुमार मदान, हरियाणा विधानसभा के भूतपूर्व सदस्य आनंद कौशिक के दुखद निधन पर शोक व्यक्त किया गया। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने भी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक व्यक्त किया। विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और आदित्य चौटाला ने भी अपनी पार्टी की ओर से दिवंगतों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। सदन में प्रदेश के उन वीर सैनिकों को अश्रुपूर्ण नमन किया

गया, जिन्होंने मातृभूमि की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

इन वीर सैनिकों में सूबेदार हीरा लाल (गांव अकबरपुर, जिला महेंद्रगढ़), सूबेदार धर्मवीर (गांव बिरोहड़, जिला झज्जर), उप-निरीक्षक आकाश चौधरी (गांव रूदड़ौल, जिला चरखी दादरी), हवलदार हरजिंदर सिंह (गांव मंगोली रांगड़ान, जिला कुरुक्षेत्र), हवलदार जोगेंद्र सिंह (गांव बडक़ोदा, जिला महेंद्रगढ़), नायक प्रवीण कुमार (गांव शेरिया, जिला झज्जर), नायक दीपक गोयत (गांव कापड़ो, जिला हांसी), सिपाही सुधीर नरवाल (गांव शेरपुर, जिला यमुनानगर), सिपाही जोगेंद्र (गांव मय्यड़, जिला हिसार), सिपाही मोहित (गांव गिजाड़ौद, जिला झज्जर), सिपाही साहिल मीणा (गांव जडथल, जिला रेवाड़ी), सिपाही मनीष कुमार (गांव सुलेहड़ा, जिला जींद) तथा सिपाही सुरजीत (गांव ढुकड़ा, जिला सिरसा) शामिल हैं। सदन में सभी दिवंगत आत्माओं की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

यमुना की सफाई कराएगी हरियाणा सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। यमुना की सफाई को लेकर हरियाणा सरकार काफी गंभीर है। प्रदेश सरकार ने यमुना एक्शन प्लान के अंतर्गत यमुना नदी के जल की गुणवत्ता को सुधारने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया है। यमुना नदी दिल्ली पहुंचने से पहले हरियाणा में 180 किलोमीटर तक और दिल्ली से निकलने के बाद फिर 70 किलोमीटर तक बहती है।हरियाणा के राज्यपाल प्रो.असीम कुमार घोष ने विधानसभा में सरकार का रोडमैप पेश करते हुए इस बारे में जानकारी दी।उन्होंने बताया कि मार्च 2028 तक 146 एमएलडी क्षमता वाले आठ कामन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीइटीपी) और 622 एमएलडी क्षमता वाले 13 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाए जाएंगे। उन्होंने एसवाईएल नहर के निर्माण का जिक्र करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार इसके प्रति पहले की तरह पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में जानकारी दी कि राज्य का हर जिला सीधे नेशनल हाईवे से जुड़ेगा। परिवहन ढांचे को मजबूत करने के लिए पानीपत में इलेक्ट्रिक बस डिपो बनकर तैयार हो

गया है और यमुनानग-जगाधरी में 31 मार्च 2026 तक डिपो बनकर तैयार हो जाएगा। गुरुग्राम व फरीदाबाद जैसे महानगरों और 10 अन्य शहरों के लिए 650 स्टैंडर्ड फ्लोर एसी बसें शुरू की जाएंगी, जो शहरी परिवहन को नई परिभाषा देंगी।

हरियाणा बजट सत्रः राज्यपाल अभिभाषण में महिलाओं पर फोकस

एजेंसी

चंडीगढ़।हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष के अभिभाषण से शुरू हुआ। राज्यपाल का अभिभाषण पूरी तरह से महिलाओं पर फोकस रहा। राज्यपाल ने बताया कि 'लाडो लक्ष्मी योजना' महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बन चुकी है। अब तक 9,22,452 महिलाओं को 4 किस्तों में 634 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादी में मदद के लिए 'मुख्यमंत्री विवाह शुगन योजना' के तहत 71,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। राज्यपाल के अभिभाषण में सबसे आकर्षक पहल 'ड्रोन दीदी योजना' रही। ग्रामीण महिलाओं के लिए ड्रोन इमेजिंग एंड इंफोरमेशन सर्विसेज ऑफ हरियाणा लिमिटेड नामक सरकारी कंपनी बनाई गई है। अभी तक 33 ड्रोन दीदियों को प्रशिक्षण देकर तैयार किया जा चुका है और 15 महिलाओं का प्रशिक्षण जारी है। जल्द ही 1,350 महिलाओं को ड्रोन पायलट और तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। ड्रोन तकनीक कृषि, सर्वेक्षण, आपदा प्रबंधन और मैपिंग जैसे क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा क्षेत्र है। प्रदेश में फिलहाल 33 महिला पुलिस थाने और 239 महिला हेल्प डेस्क काम कर रही हैं। अब सरकार ने 7 नए महिला थाने खोलने का फैसला किया है। इनमें लोहारू, बरवाला, नरवाना, समालखा, महम, रादौर और पिहोवा में शहर शामिल हैं। इसके साथ ही महिलाओं को सुरक्षा देते हुए रात की शिफ्ट में काम करने की भी अनुमति दी गई है। सरकार का दावा है कि वर्ष 2025 में महिलाओं के प्रति अपराधों में 16 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई, जबकि अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं के खिलाफ अपराध चार वर्षों में 67 प्रतिशत तक घटे हैं। सामाजिक-आर्थिक रूप से महिलाओं को मजबूत करने के लिए स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) मॉडल को सरकार ने व्यापक स्तर पर लागू किया है। 124 अटल श्रमिक-किसान कैंटीनों का संचालन भी महिलाओं के हाथों में है, जिससे हजारों महिलाएं सम्मानजनक आय अर्जित कर रही हैं। सरकार का कहना है कि यह मॉडल महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाकर उन्हें मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ रहा है।

राज्य में चल रहा लखपति दीदी कार्यक्रम ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा भर रहा है। अब तक 1,06,325 महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। सरकार ने बेटियों को इंजीनियरिंग और विज्ञान शिक्षा में आगे लाने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। कल्पना चावला स्कॉलरशिप योजना के तहत हर वर्ष 250 छात्राओं को एक-एक लाख रुपये की छात्रवृत्ति।

विज्ञान रत्न अवॉर्ड के तहत मेधावी छात्राओं को 5 लाख रुपये तक के पुरस्कार दिए जा रहे हैं। सरकार का दावा है कि इन कार्यक्रमों से तकनीकी शिक्षा में बेटियों का नामांकन तेजी से बढ़ा है।

हरियाणा विधानसभाः कांग्रेस विधायक इंदूराज नरवाल को विशेषाधिकार हनन मामले में समय विस्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में विशेषाधिकार हनन समिति की तरफ से कांग्रेस विधायक को जवाब देने के लिए समय बढ़ा दिया गया है। कालका से भाजपा विधायक शक्ति रानी शर्मा ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस विधायक इंदूराज नरवाल ने उनके परिवार के खिलाफ सदन में आपत्तिजनक टिप्पणियां की थी। कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा की ओर से बरोदा से कांग्रेस विधायक इंदूराज नरवाल के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव पर सदन में चर्चा हुई। जिसके बाद इंदुराज नरवाल को अगले सत्र तक जवाब दाखिल करने का समय बढ़ा दिया गया है। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने नरवाल का बचाव करते हुए कहा कि इस मामले में इंदूराज नरवाल मीडिया के सामने खेद व्यक्त कर चुके हैं। स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने कहा कि मामला प्रीविलेज कमेटी के समक्ष पक्ष रखने का है।राज्यपाल द्वारा 7 संशोधन विधेयकों को मिली स्वीकृतिहरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल द्वारा स्वीकृत किए गए विधेयकों के संशोधन के बारे में सदन में रिपोर्ट पेश की गई। स्पीकर हरविंदर कल्याण ने बताया कि यह विधेयक पिछले सत्र में पारित करके राज्यपाल को स्वीकृति के लिए भेजे गए थे।

इनमें हरियाणा माता मनसा देवी संशोधन विधेयक 2025, हरियाणा माता शीतला देवी संशोधन विधायक 2025, हरियाणा श्री माता भीमेश्वरी देवी संशोधन विधेयक 2025, हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती मेला संशोधन विधेयक 2025, हरियाणा नगर निगम संशोधन विधेयक 2025, हरियाणा वित्त पंचायती राज संशोधन विधेयक 2025, हरियाणा आवास बोर्ड संशोधन विधेयक 2025 है। ये विधेयक दिसंबर 2025 में पेश हुए थे, जिन्हें पारित किया गया।

हरियाणा विधानसभा : जून 2029 तक शुरू होगा हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो.असीम कुमार घोष ने कहा है कि 11 हजार 607 करोड़ रुपये की लागत वाला हरियाणा आर्बिटल रेल कॉरिडोर प्रदेश के लिए गेम चेंजर साबित होगा। विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन अभिभाषण के माध्यम से राज्यपाल ने बताया कि इस कॉरिडोर का पहला सेक्शन पातली-मानेसर, माल गाडियों के लिए खोला जा चुका है। इस पूरे प्रोजेक्ट को जून 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सड़कों पर लेवल क्रासिंग को खत्म किया जा रहा है। मारूति सुजुकी की योजनाओं का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि मारूति सुजुकी ने फरवरी 2025 में आईएमटी खरखौदा में 9 हजार 413 करोड़ के निवेश के साथ कमर्शियल उत्पादन शुरू किया है। अप्रैल 2026 में 6000 करोड़ के निवेश वाली नई इकाई में उत्पादन शुरू हो जाएगा। राज्यपाल ने बताया कि कॉमन फैसिलिटी केंद्र बनाने के लिए 49 आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं। इनमें से 32 कॉमन फैसिलिटी केंद्र चालू हो चुके हैं और 17 केंद्र चालू करने पर काम चल रहा है। शहरी विकास से संबंधित समाधान

से विकास योजना को 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया है। अब तक तीन हजार 718 करोड़ 14 लाख का बकाया वसूल किया जा चुका है। राज्यपाल ने बताया कि गुरुग्राम मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के लिए 300 करोड़ के बजट का प्रावधान किया गया है। इसके हले चरण के 11 किलोमीटर लंबे भाग का निर्माण शुरू हो चुका है। दिल्ली मेट्रो रेड लाइन को नरेला से कुंडली तक बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की है। राज्यपाल ने बताया कि दीन दयाल आवास योजना के तहत 1100 एकड़ भूमि के लिए 127 लाइसेंस जारी किए गए हैं। इसके माध्यम से 16 हजार 797 सस्ते प्लाट मिलेंगे। इसके अलावा अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग स्कीम के तहत 11 हजार 525 आवासीय इकाइयों को भी मंजूरी दी गई है।

कैथलः डबल इंजन' सरकार विकास की पटरी से उतरी- रणदीप सुरजेवाला

एजेंसी

कैथल। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार पर जिला स्तर के विकास कार्यों में गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। सुरजेवाला ने वर्ष 2025-26 के जिला योजना बजट (डी-प्लान) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि सरकार विकास के नाम पर केवल प्रचार कर रही है, जबकि धरातल पर हालात बेहद खराब हैं। कैथल में बातचीत करते हुए रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि वर्ष 2025-26 के लिए कुल 400 करोड़ रुपये का जिला योजना बजट आवंटित किया गया था। लेकिन 15 फरवरी 2026 तक केवल 34.27 प्रतिशत, यानी लगभग 137 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए हैं। करीब 66 प्रतिशत राशि, जो लगभग 263 करोड़ रुपये बनती है, अब भी खर्च नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति दर्शाती है कि सरकार विकास कार्यों को लेकर गंभीर नहीं है। सबसे खराब प्रदर्शन गुरुग्राम जिले का बताया गया, जहां केवल 4.3 प्रतिशत बजट ही खर्च हुआ है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि तथाकथित 'ट्रिपल इंजन' सरकार होने के बावजूद वहां विकास कार्य ठप पड़े हैं। सुरजेवाला ने कहा कि अंबाला, चरखी दादरी, हिसार, झज्जर, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, महेंद्रगढ़, नूंह, पलवल, पंचकूला, पानीपत, रेवाड़ी, सिरसा और यमुनानगर सहित अधिकांश जिलों में 50 प्रतिशत से भी कम राशि खर्च हुई है। इससे स्पष्ट है कि जिला स्तर की योजनाएं कागजों तक सीमित होकर रह गई हैं। उन्होंने बताया कि जिला योजना बजट छोटे लेकिन अत्यंत आवश्यक विकास कार्यों के लिए होता है। इसमें गांवों और शहरों की सड़कों, गलियों और नालियों का निर्माण व मरम्मत, खेतों के रास्तों का सुधार, स्कूलों, चौपालों और आंगनवाड़ी केंद्रों का निर्माण व रखरखाव, तथा पेयजल व्यवस्था और वाटर वर्क्स जैसे बुनियादी कार्य शामिल होते हैं।

इफ्तार और क्रिसमस की दावतों के लिए 66 करोड़ रुपये: तेलंगाना के कार्यकर्ताओं ने बजट पर सवाल उठाए

हैदराबाद: तेलंगाना विधानसभा का बजट सत्र फरवरी के अंत में शुरू होने की उम्मीद है, ऐसे में राज्य के कार्यकर्ताओं ने अल्पसंख्यक कल्याण के लिए आवंटित धनराशि पर चिंता जताई है और शनिवार, 21 फरवरी को इसके उपयोग के संबंध में अपने सुझाव प्रस्तुत किए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता और अधिवक्ता डॉ. लुबना सरवत ने दावा किया कि सरकार 'अल्पसंख्यकों को खुश करने' के लिए बजट में हेरफेर कर रही है, लेकिन धन और लाभ प्रभावी रूप से इच्छित लाभार्थियों तक नहीं पहुंच रहे हैं। एक गोलमेज चर्चा में, सरवत ने वार्षिक राजकीय भोज/इफ्तार की प्रथा पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इस व्यय को शैक्षिक योजनाओं की ओर निर्देशित किया जा सकता है। 'पिछले तीन वर्षों से वे लगातार विभिन्न जिलों में इफ्तार और क्रिसमस भोज के लिए 66 करोड़ रुपये आवंटित कर रहे हैं। इसकी क्या आवश्यकता है? जब 2023-24 के खातों में 33 करोड़ रुपये का व्यय दिखाया गया है, तो राशि को दोगुना क्यों किया जा रहा है? किस आधार पर?' उन्होंने पूछा। सरवत ने यह भी कहा कि जहां राज्य सरकार वित्तीय वर्ष 2023-24 में लगभग 33 करोड़ रुपये के व्यय का दावा करती है, वहीं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से प्राप्त सूचना के अधिकार (आरटीआई) के जवाबों में कहा गया है कि आम चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण उन्होंने इफ्तार डिनर या कपड़ों पर कोई राशि खर्च नहीं की। 15 मार्च, 2024 को आयोजित दावत-ए-इफ्तार के व्यय के संबंध में एक अन्य आरटीआई के जवाब से पता चलता है कि कुल मिलाकर केवल 2.78 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, जबकि वित्तीय विवरणों में लगभग 3.23 करोड़ रुपये का व्यय दिखाया गया है। '45 लाख रुपये के अंतर का हिसाब कैसे लगाया जाएगा? इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जब रमजान का कोई उत्सव नहीं मनाया गया, तो 33 करोड़ रुपये कहाँ खर्च किए गए? क्या सारा पैसा क्रिसमस की दावत पर खर्च कर दिया गया?' सरवत ने पूछा। आरटीआई के जवाब से यह भी पता चलता है कि कुल 2.78 करोड़ रुपये में से केवल 65 लाख रुपये ही वास्तव में भोजन पर खर्च किए गए थे, जबकि 2.05 करोड़ रुपये 'फर्नीचर' पर खर्च किए गए थे। आगामी बजट सत्र में क्या करें? गोलमेज सम्मेलन में एक अन्य वक्ता, आयकर विभाग के पूर्व उपायुक्त वी साई प्रसाद शास्त्री ने कहा कि जनता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी आवंटन मापने योग्य परिणामों में परिवर्तित हों। उन्होंने लोगों से नए सत्र से पहले पिछले वर्ष की बजट रिपोर्ट देखने का आग्रह किया ताकि यह पता चल सके कि आवंटित धनराशि का उपयोग निर्धारित तरीके से किया गया था या नहीं। शास्त्री ने कहा, 'अपने विधायकों को पत्र लिखकर उनसे अनुदान की मांग पर मतदान करने से पहले बजट की समीक्षा करने का अनुरोध करें। यदि परिणाम रिपोर्ट से यह पता नहीं चलता कि पिछले वर्ष के आवंटन का उचित उपयोग हुआ है, तो विधायकों को सत्र का बहिष्कार करना चाहिए।' उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने एक प्रस्ताव पारित किया जिसमें कहा गया कि पिछले पांच वर्षों के इफ्तार बजट से संबंधित सभी बजट रिलीज आदेश (बीआरओ) तुरंत जनता के सामने प्रदर्शित किए जाने चाहिए।

हनुमान घाट के प्रमुख महंत श्री 1008 नागा जय गिरी बाबा के देवलोक गमन के पश्चात 22 फरवरी को सत्संग , 23 फरवरी को एक विशाल भंडारे का आयोजन

एजेंसी

फिरोजपुर झिरका, 21 फरवरी- अरावली के पहाड़ियों में बसे प्राचीन हनुमान घाट के प्रमुख महंत 1008 नाग बाबा जय गिरी के 99 वर्ष में आकस्मिक देवलोक गमन हो गया। जिनकी आत्मा की शांति के लिए शहर के लोगों के सहयोग से और समाज सेवा से जुड़े लोगों के आह्वान पर महंत मदन गिरी महाराज व वह प्रमुख समाजसेवी विजय मेहता की ओर से 22 फरवरी को सत्संग व 23 फरवरी को एक विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। प्रमुख समाजसेवी विजय मेहता ने जानकारी देते हुए बताया कि तिजारा रोड़ झिर परिसर में स्थित प्राचीन हनुमान घाट मंदिर के प्रमुख संत नागा बाबा जय गिरी नागा पंथ में एक विशेष स्थान रखते हैं । हजारों की संख्या में उनके भक्तों है जो रोजाना उनके दर्शन करने के लिए आते थे। शिव मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष अनिल गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री 1008 नागा जय गिरी बाबा अत्यंत ही महान एवं सिद्ध पुरुष थे, जो झिर परिसर पर 75 सालों से सेवारत थे। नागा जय गिरी बाबा द्वारा ही हनुमानघाट मंदिर निर्माण करवाया गया है। और यही उनका निवास स्थान था।

भक्तों की मानें तो नागा जय गिरी बाबा को पूर्व में ही देवलोक गमन का अनुमान था इसीलिए उन्होंने अपने भक्तों के द्वारा अपने ही मंदिर परिसर के हनुमान बगीची में झरने के किनारे दो - तीन वर्ष पूर्व ही निर्धारित समाधि तैयार करवा ली गई थी । और उनके इच्छानुसार भक्तों ने उसी जगह पर ही भू समाधि देकर मोक्ष की कामना की। उन्होंने आगे बताया कि उनके भक्तों और साधु संतों की भावना को देखते हुए 22 फरवरी को सत्संग और 23 फरवरी को एक विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

के.टी.एस.एच.लीगल फाउंडेशन के अध्यक्ष एडवोकेट तारा चन्द ने आर्मी पब्लिक स्कूल औरंगाबाद जिला पलवल में विद्यार्थियों को वितरित की शैक्षिक सामग्री

एजेंसी

पलवल, 21 फरवरी- समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय के.टी.एस.एच. लीगल फाउंडेशन के अध्यक्ष एडवोकेट ताराचंद ने आर्मी पब्लिक स्कूल का दौरा कर विद्यार्थियों को रजिस्टर एवं पेन वितरित किए। विशेष बात यह रही कि एडवोकेट ताराचंद स्वयं भी इसी विद्यालय के पूर्व छात्र रह चुके हैं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। एडवोकेट ताराचंद ने भावुक शब्दों में कहा कि इसी विद्यालय ने उनके जीवन को दिशा दी है और आज उसी संस्थान में आकर बच्चों को प्रोत्साहित करना उनके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विद्यार्थियों को परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन का उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षिक सहयोग प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना है, ताकि वे भविष्य में समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। विद्यालय प्रबंधन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पूर्व छात्र का इस प्रकार विद्यालय से जुड़कर बच्चों का उत्साहवर्धन करना अत्यंत प्रेरणादायक है। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों को रजिस्टर और पेन वितरित किए गए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

हथीन के कौंडल गांव में भव्य 'फूलों की होली' आज

एजेंसी

हथीन, 21 फरवरी। हथीन क्षेत्र के गांव कौंडल स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार को भव्य 'फूलों की होली' का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी गौरव तेवतिया जिला महामंत्री भारतीय जनता युवा मोर्चा ने पलवल के अरोमा होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि कौंडल गांव के इतिहास में यह आयोजन सबसे भव्य होगा। कार्यक्रम में आसपास के गांवों के लोगों के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। आयोजन को सफल और भव्य बनाने के लिए क्षेत्र के गांवों में विशेष निमंत्रण भेजे गए हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम होंगे। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा जिला अध्यक्ष विपिन बैसला सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम में ब्रज क्षेत्र की सांस्कृतिक झलक विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। फूलों की होली के माध्यम से क्षेत्रीय परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। पत्रकार वार्ता में भाजपा नेता जय राम प्रजापति, गौतम तेवतिया और धीरू सहरावत भी उपस्थित रहे।

विधायक देवेंद्र अत्री के नेतृत्व में बदल रही उचाना की तस्वीर - रोहतास खटकड़

एजेंसी

उचाना 21 शनिवार- कहसुन मंडल के महामंत्री रोहतास खटकड़ ने कहा कि उचाना क्षेत्र में विधायक देवेंद्र अत्री के नेतृत्व में विकास कार्यों ने गति पकड़ ली है। गांव से लेकर शहर तक आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। जिसका सीधा लाभ आमजन को मिल रहा है। रोहतास खटकड़ ने बताया कि क्षेत्र में सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्य तेज़ी से चल रहे हैं। जल निकासी व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की पारदर्शिता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है। आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता में शामिल है। युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए खेल मैदानों और खेल सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। किसानों के हित में विभिन्न सरकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। जिससे कृषि क्षेत्र को मजबूती मिल रही है। रोहतास खटकड़ ने विश्वास जताया कि विधायक देवेंद्र अत्री के प्रयासों से उचाना क्षेत्र विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

निझामाबद के वेणू गोड का निधन

ब्युरो/अनंतोजी कालिदास

निझामाबद --आर्य नगर के आर टी सी कॉलनी निवासी दुना वेणू गोड रोड नंबर 8 के निवासी है शनिवारी की दोफ़ार 4 बजे आचानक देहात हुआ .रविवार की सुबह 11 बजे निझामाबद के शमशन भूमी अंतिम संस्कार किया जयेग, महारस्त्र धर्माबाद के पूर्व साई कुमार राजेंद्र गोड के भवाजी है !धर्माबाद काही लोगो के घहरा शोक व्यक्त कर उने श्रद्धांजली दि

बांसवाड़ा झड़प के बाद तेलंगाना में बढ़ती सांप्रदायिक हिंसा पर ओवैसी ने चिंता जताई

हैदराबाद: ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार, 21 फरवरी को तेलंगाना में बढ़ती सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। एआईएमआईएम प्रमुख ने मांग की कि राज्य सरकार झड़पों में क्षतिग्रस्त हुए लोगों की संपत्तियों को मुआवजा दे। गुरुवार, 20 फरवरी की रात को कामारेड्डी जिले के बंसवाड़ा स्थित एक मॉल में एक महिला विक्रेता द्वारा भक्ति गीत बजाए जाने पर एक मुस्लिम व्यक्ति द्वारा आपत्ति जताने के बाद दो गुटों के बीच झड़प हो गई। पुलिस ने इस संबंध में मामले दर्ज किए हैं। ओवैसी ने फेसबुक पर लिखा, 'मैंने कामारेड्डी के एसपी (पुलिस अधीक्षक) से बात की और बंसवाड़ा हिंसा की एफआईआर दर्ज करने और उचित जांच कराने की मांग की। कुछ ही घंटों में इतनी बड़ी भीड़ कैसे इकट्ठा हो गई? दक्षिणपंथी भीड़ की आपराधिक गतिविधियों को दर्शाने वाले पर्याप्त वीडियो मौजूद हैं।' उन्होंने कहा कि भीड़ ने विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों की छोटी दुकानों और सड़क विक्रेताओं को निशाना बनाया। 'आरोपियों में से एक, जो उस समय पुलिस हिरासत में था, को स्थानीय संघ परिवार के गुंडे पीट रहे हैं,' उन्होंने दावा किया। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि वह कामारेड्डी जिले के स्थानीय पार्टी नेता के संपर्क में हैं। 'मैंने उन्हें भीड़ हिंसा के परिणामस्वरूप हुए सभी नुकसानों, विशेष रूप से मुस्लिम स्वामित्व वाली दुकानों को हुए नुकसानों की विस्तृत रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। मैं मांग करता हूं कि राज्य सरकार उन लोगों को मुआवजा दे जिनकी संपत्ति क्षतिग्रस्त हुई है। एआईएमआईएम भी पीड़ितों की हर संभव मदद करेगी और जल्द से जल्द राहत प्रदान करेगी,' उन्होंने कहा। एआईएमआईएम प्रमुख ने राज्य सरकार से मांग की कि झड़पों में क्षतिग्रस्त हुई संपत्ति के लोगों को मुआवजा दिया जाए।

23 फरवरी से फिर शुरू होगा 'प्रजावाणी' कार्यक्रम - जिला कलेक्टर कुमार दीपक

द्वितीय सामान्य नगर पालिका चुनावों के मद्देनज़र अस्थायी रूप से स्थगित किए गए 'प्रजावाणी' कार्यक्रम को 23 फरवरी से पुनः पूर्ववत रूप में आयोजित किया जाएगा।

पवन बजाज

मंचेरियाल: 21 फरवरी 2026: द्वितीय सामान्य नगर पालिका चुनावों के मद्देनज़र अस्थायी रूप से स्थगित किए गए 'प्रजावाणी' कार्यक्रम को 23 फरवरी से पुनः पूर्ववत रूप में आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी।

कलेक्टर ने बताया कि यह कार्यक्रम जिले के नसपुर स्थित समेकित जिला कार्यालय भवन के सभागार में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आम जनता और आवेदक इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि से प्रजावाणी कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन दें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने सह परिवार मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग का किया दर्शन

एजेंसी

चंडीगढ़, 21 फरवरी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने सह-परिवार आंध्र प्रदेश स्थित श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग का दर्शन किया। इस पवित्र यात्रा के दौरान उन्होंने प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की भगवान शिव से कामना की।

श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है और इसे भगवान शिव का अद्वितीय रूप माना जाता है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली के साथ भाजपा परिवार के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

केटीआर ने एआई शिखर सम्मेलन में विरोध प्रदर्शन करने के लिए यूथ कांग्रेस की आलोचना की

हैदराबाद: दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन में यूथ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर निशाना साधते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने शनिवार को कहा कि वैश्विक मंचों पर आंदोलन करने से देश की छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खराब होगी। उन्होंने कहा कि यह विडंबना है कि यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ठीक उसी समय विरोध प्रदर्शन किया जब तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी उसी एआई शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

'यह बेहद निंदनीय है कि यूथ कांग्रेस के सदस्यों ने एआई इम्पैक्ट समिट 2026 को तुच्छ राजनीतिक तमाशे का मंच चुना,' उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा। उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन विरोध कहाँ और कैसे करना है, यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने आगे कहा कि राजनीतिक असहमति व्यक्त करने का एक समय और स्थान होता है, और अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन निश्चित रूप से उनमें से एक नहीं है।

रविवार हिंदू सम्मेलन कार्यक्रम को लेकर शहर के लगभग 18 मंदिरों से निकल जाएगी भव्य कलश यात्रा आज

एजेंसी

फिरोजपुर झिरका, 21 फरवरी। रविवार को सुबह दस बजे सिविल लाइंस रोड़ नजदीकी नवग्रह शनि मंदिर के सामने स्थित अग्र शिरोमणि भगवान महाराजा अग्रसेन मंदिर प्रांगण होने वाले विशाल हिंदू सम्मेलन से पूर्व आयोजक समिति फिरोजपुर झिरका मंडल ने सकल हिंदू समाज के तत्वाधान में होने जा रहा है। लोगों को हिन्दू सम्मेलन में भाग लेने के लिए शनिवार सुबह भव्य प्रभात फेरी का आयोजन किया। कार्यक्रम संयोजक धर्मपाल आर्य एवं आयोजन टोली संचालन राजकुमार गर्ग , पूर्व चेयरमैन मार्किट कमेटी सुनील जैन की अगुवाई में आयोजक समिति द्वारा गठित अलग - अलग शहर के बस्ती प्रमुखों ने प्रभात फेरी निकाली गई और सभी बस्ती प्रमुख आर्य समाज रोड़ एकत्रित होकर ढ़ोलक, मांझीरा बजाते हुए रेहड़ी में माइक लगाकर भगवान सीता - राम का गगनभेदी संबोधन करते नजर आए। शहर के मुख्य बाजार लालकुआं चौक, चोपड़ा बाजार, गढ़ अंदर दुर्गा देवी मंदिर से होते हुए, जलेबी चौक पार करते हुए अपने गंतव्य स्थान सिविल लाइंस रोड़ नजदीकी नवग्रह शनि मंदिर अग्र शिरोमणि भगवान महाराजा अग्रसेन मंदिर पहुंची और प्रभात फेरी के माध्यम से सकल हिंदू समाज के लोगों को विशाल हिंदू सम्मेलन में सम्मिलित होने के लिए निमंत्रण पत्र दिया गया। इसके अलावा हिंदू सम्मेलन में पूजनीय संत समाज को एकता एवं भाईचारे का संदेश लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर शहर के समस्त हिंदू समाज की महिलाएं पुरुष एवं बच्चे उपस्थित रहे। जानकारी देते हुए धर्मपाल आर्यय ने बताया कि शहर के लगभग 18 मंदिरों से भव्य कलश यात्राा निकाली जाएगी।

सिकंदराबाद में अंबानी के इजरायल के साथ संबंधों के खिलाफ फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शन आयोजित किए गए

हैदराबाद: इंडियन पीपल इन सॉलिडेरिटी विद पैलेस्टाइन (ढ्ढक्कक्क) ने शनिवार, 21 फरवरी को सिकंदराबाद में रिलायंस ट्रेंड्स आउटलेट के बाहर प्रदर्शन किया। मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, विशाखापत्तनम (विजाग), विजयवाड़ा और पुणे में चल रहे व्यापक आंदोलन के हिस्से के रूप में, इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य मुकेश अंबानी की रिलायंस और इज़राइल के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों और 'अमेरिका और अन्य सहयोगी सरकारों की मदद से इज़राइल द्वारा फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ किए जा रहे नरसंहार' को उजागर करना था। इससे पहले, मैकडॉनल्ड्स, पिज्जा हट, बर्गर किंग, स्टारबक्स, टाटा और महिंद्रा जैसी कंपनियों के सामने भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन किए गए थे। ढ्ढक्कक्क ने कहा, 'रिलायंस की मिलीभगत दो दशक पुरानी है और इसमें ईंधन भंडारण और दूरसंचार क्षेत्रों के माध्यम से रंगभेद वाले राज्य में भारी निवेश शामिल है।' ढ्ढक्कक्क ने आगे कहा कि रिलायंस का 2024 में इज़राइली कंपनी डेल्टा गैलिल के साथ संयुक्त उद्यम 'इज़राइली अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है।' आईपीएसपी ने आरोप लगाया कि अंबानी की कंपनी ने जेरूसलम इनोवेशन इनक्यूबेटर (जेआईआई), इजरायली इनोवेशन अथॉरिटी (आईआईए) के साथ साझेदारी के माध्यम से कम से कम 117 इजरायली स्टार्टअप को वित्त पोषित किया है। आवरक्राउड और यिसम जैसी कंपनियों के ज़रिए रिलायंस 'ज़ायोनी विचारों' को सामान्य बना रहा है। संगठन ने कहा कि ऑब्ज़र्वर रिसर्च फ़ाउंडेशन (ओआरएफ़) जैसे थिंक-टैंक के माध्यम से रिलायंस इन विचारों को बढ़ावा दे रहा है। आईपीएसपी ने एक बयान में कहा, 'गहरी मिलीभगत के इन कृत्यों ने कंपनी को फ़िलिस्तीनी जनता की कीमत पर भारी मुनाफ़ा कमाने में मदद की है।' फ़िलिस्तीन में इज़राइल की सैन्य कार्रवाई की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए, आईपीएसपी सदस्य इब्राहिम ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप दो वर्षों में 71,000 से अधिक फ़िलिस्तीनी मारे गए हैं। उन्होंने कहा, 'इन पीड़ितों में से एक तिहाई 18 वर्ष से कम आयु के हैं। नाममात्र के युद्धविराम के बावजूद, 520 और फ़िलिस्तीनी मारे गए हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'इज़राइल ने 90% आवासीय इकाइयों और स्कूलों के साथ-साथ गाज़ा के आधे से ज़्यादा अस्पतालों को नष्ट कर दिया है। इसके अलावा, मानवीय सहायता की तलाश में निकले 2,000 लोगों को गोली मार दी गई।' संगठन की सदस्य गीता ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध भारत के औपनिवेशिक संघर्ष की विरासत का हवाला देते हुए जनता से भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और सुखदेव जैसे शहीदों से प्रेरणा लेकर अन्याय के विरुद्ध लड़ने का आग्रह किया। उन्होंने वैश्विक बहिष्कार, विनिवेश और प्रतिबंध (बीडीएस) आंदोलन में शामिल होने की आवश्यकता पर बल दिया, जिसमें आर्थिक, राजनीतिक, कूटनीतिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में बहिष्कार शामिल है। बीडीएस आंदोलन के कारण वैश्विक स्तर पर 'सहयोगी कंपनियों' को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है, यह देखते हुए गीता ने कहा कि रिलायंस का बहिष्कार करना एक तत्काल कार्य है। उन्होंने भारतीय सरकार और संस्थानों से इजरायल राज्य के साथ सभी संबंध तोड़ने की मांग की। आईपीएसपी ने कहा, 'राज्य द्वारा प्रेरित भुखमरी से बच्चों की मृत्यु के बीच अमेरिका और अन्य साम्राज्यवादी शक्तियों का पाखंड उजागर हो रहा है।' उन्होंने यह भी बताया कि वैश्विक स्तर पर लाखों लोगों ने इजरायल की कार्रवाई और अपनी सरकारों और निगमों की मिलीभगत की निंदा करने के लिए हड़ताल और विरोध प्रदर्शन आयोजित किए हैं।

टीपू सुल्तान एक सच्चा राष्ट्रप्रेमी, उनका विरोध विभाजनकारी राजनीति का एक और उदाहरण

विचार

"सन् 1791 में रघुनाथ राव पटवर्धन के नेतृत्व में मराठा सेना ने ऐतिहासिक श्रृंगेरी श्रद्धा पीठम् पर हमला किया और उसे लूटा। हमले की वजह से शंकराचार्य को वहां से भागना पड़ा। यह पता लगने पर टीपू सुल्तान ने गहरी नाराजगी जताई और कहा कि ऐसा करने वालों को इसका नतीजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने तुरंत धन, उपहार और पत्र भेजे ताकि मंदिर को पहले जैसी स्थिति में लाया जा सके और मूर्ति को पुनर्प्रतिष्ठापित किया जा सके। यह हमला तीसरी ब्रिटिश-मैसूर लड़ाई का हिस्सा था जिसके दौरान मराठा सेनाओं ने मंदिर को भारी नुकसान पहुंचाया जिसमें लोगों की हत्या, उन्हें घायल करना और संपत्ति की लूटपाट करना शामिल था। टीपू सुल्तान, जिनका श्रृंगेरी जगतगुरू से संवाद होता रहता था, और टीपू उन्हें अत्यंत सम्मान से संबोधित करते थे, ने मैसूर के प्रशासन को तुरंत आदेश दिया कि वहां पहले जैसी स्थिति बहाल करने में सहायता प्रदान करे।

राम पुनियानी

टीपू सुल्तान का नाम समाचारपत्रों (विशषकर कर्नाटक के) में आता रहता है। ऐसा उनकी जयंती के राज्य-प्रायोजित आयोजनों के आसपास कुछ ज्यादा ही होता है। वहां बीजेपी हमेशा इन आयोजनों में बाधा डालती है और प्रायः हमेशा इसके नतीजे में उपद्रव और हंगामे के हालात बनते हैं इस बार टीपू से जुड़ी खबर महाराष्ट्र के मालेगांव से आई है। वहां की नवनिर्वाचित उपमहापौर निहाल अहमद ने शान-ए-हिन्द टीपू सुल्तान का एक चित्र अपने कार्यालय में लगाया। इसकी जानकारी मिलने के बाद शिवसैनिकों ने अधिकारियों का हस्तक्षेप करवाकर उसे हटवा दिया। कुछ विरोध प्रदर्शन भी हुए। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने चित्र हटाए जाने को अनुचित बताते हुए कहा कि टीपू का मैसूर के लिए उतना ही योगदान है जितना छत्रपति शिवाजी महाराज का महाराष्ट्र के लिए है। इस वक्तव्य का महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने विरोध किया। फडणवीस ने कहा कि टीपू की तुलना शिवाजी महाराज से करना महाराज का अपमान करना है। इसके बाद कांग्रेस कार्यालय पर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पथराव किया जिसके नतीजे में हुई अफरातफरी में करीब सात लोग घायल हुए। बीजेपी को सपकाल के वक्तव्य पर इसलिए आपत्ति है क्योंकि उनके मुताबिक टीपू ने बड़ी संख्या में हिंदुओं का कत्ल करवाया था। उन्होंने हिंदुओं को धर्मपरिवर्तन कर मुसलमान बनाने का प्रयास किया। हिन्दू राष्ट्रवादी टीपू को अन्य कई अन्य बातों के लिए भी दोषी ठहराते हैं। इनमें से ज्यादातर का उद्देश्य टीपू को हिन्दू-विरोधी और एक जालिम शासक के रूप में पेश करना होता है। ये बातें सच्चाई से कोसों दूर हैं। इनमें से कई मिथक अंग्रेजों द्वारा फैलाए गए आख्यान पर आधारित हैं। अंग्रेज़ टीपू से चिढ़ते थे। वजह यह कि टीपू अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने वाले राजाओं में से एक थे। टीपू ने निजाम और पेशवा से ईस्ट इंडिया कंपनी की सेनाओं का मुकाबला करने का आव्हान किया था। टीपू को भारत में अंग्रेजों की जड़ें मजबूत

होने से उत्पन्न होने वाले खतरों का पूर्वानुमान था। टीपू का प्रशासन मिश्रित था जिसमें बहुत से उच्च अधिकारी हिन्दू थे। पूरनिया उनके मीर मीरान (विभागाध्यक्ष) थे और उनका टीपू के राज्य के प्रशासनिक ढांचे में महत्वपूर्ण स्थान था। कृष्णा राव उनके कोषाध्यक्ष थे। शामैया आयंगर उच्च दर्जे के मंत्री थे और नरसिंह आयंगर डाक विभाग के उच्चाधिकारी थे। कहा जाता है कि टीपू सुल्तान श्रृंगेरी के शंकराचार्य को दान देते थे, जिसमें मंदिर के पुननिर्माण और देवी सरस्वती की मूर्ति की स्थापना के लिए दी गई रकम भी शामिल थी। उन्होंने अपने साम्राज्य में स्थित विभिन्न मंदिरों को जमीन और धन दिया। उनके राज के दौरान दस-दिवसीय दशहरा समारोह मैसूर के सामाजिक जीवन का अभिन्न अंग था। सन् 1791 में रघुनाथ राव पटवर्धन के नेतृत्व में मराठा सेना ने ऐतिहासिक श्रृंगेरी श्रद्धा पीठम् पर हमला किया और उसे लूटा। हमले की वजह से शंकराचार्य को वहां से भागना पड़ा। यह पता लगने पर टीपू सुल्तान ने गहरी नाराजगी जताई और कहा कि ऐसा करने वालों को इसका नतीजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने तुरंत धन, उपहार और पत्र भेजे ताकि मंदिर को पहले जैसी स्थिति में लाया जा सके और मूर्ति को पुनप्रर्तिष्ठापित किया जा सके। यह हमला तीसरी ब्रिटिश-मैसूर लड़ाई का हिस्सा था जिसके दौरान मराठा सेनाओं ने मंदिर को भारी नुकसान पहुंचाया जिसमें लोगों की हत्या, उन्हें घायल करना और संपत्ति की लूटपाट करना शामिल था। टीपू सुल्तान, जिनका श्रृंगेरी जगतगुरू से संवाद होता रहता था, और टीपू उन्हें अत्यंत सम्मान से संबोधित करते थे, ने मैसूर के प्रशासन को तुरंत आदेश दिया कि वहां पहले जैसी स्थिति बहाल करने में सहायता प्रदान करे। इससे यह पता चलता है कि वे हिन्दू संस्थानों को संरक्षण प्रदान करते थे। हालात बहाल करने की बात की पुष्टि कन्नड़ में लिखे गए कई पत्रों से होती है जिन्हें श्रृंगेरी पीठ में सुरक्षित रखा गया है। इनमें जगतगुरू से टीपू के इस अनुरोध का भी जिक्रहै कि वे उनके साम्राज्य की समृद्धि के लिए प्रार्थना करें। टीपू अंग्रेजों के कट्टर विरोधी थे। उनपर यह आरोप लगाया जाता है कि उन्होंने कुछ हिंदू और ईसाई समूहों को प्रताड़ित किया। इस प्रताड़ना की वजह शुद्ध राजनैतिक थी और इसका धर्म से कोई लेनादेना नहीं था। इस बारे में इतिहासवेत्ता केट ब्रित्तलबैंक का कहना है कि "यह धर्म से जुड़ी नीति नहीं थी बल्कि ऐसा संबंधितों को दंडित करने के लिए किया गया था''। टीपू के निशाने पर सिर्फ हिन्दू समूह नहीं थे। उन्होंने महदवी जैसे कई मुस्लिम समुदायों के खिलाफ भी कार्यवाही की। इसकी वजह यह थी कि ये समुदाय अंग्रेजों का साथ दे रहे थे और इन्हें ईस्ट इंडिया कंपनी की सेनाओं में घुड़सवार के रूप में नियुक्त किया गया था। एक अन्य इतिहासविद् सुसान बाइले का कहना है कि अपने राज्य के बाहर के हिंदुओं और ईसाईयों पर उनके हमलों को राजनैतिक वजहों से किए गए हमलों के रूप में देखा जाना चाहिए क्योंकि ठीक उसी समय मैसूर में रहने वाले हिंदुओं और ईसाईयों से उन्होंने नजदीकी रिश्ते बनाए थे। सरफराज शेख अपनी पुस्तक 'सुल्तान-ए-खुदाद' में 'टीपू सुल्तान के घोषणापत्र' को उद्धत करते हैं जिसमें टीपू यह घोषणा करते हैं कि वे धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करेंगे और अपनी आखिरी सांस तक अपने साम्राज्य की रक्षा करेंगे। रॉकेट संबंधी तकनीक में उनकी गहरी रूचि थी। एपीजे अब्दुल कलाम अपनी पुस्तक 'विंग्स ऑफ फायर' में इसका जिक्र प्रशंसनात्मक लहजे में करते हैं। यह दिलचस्प है कि आरएसएस ने बच्चों के लिए भारतीय इतिहास पर केन्द्रित पुस्तकों की श्रृंखला प्रकाशित की थी जिसके अंतर्गत 1970 के दशक में उसने टीपू सुल्तान पर पुस्तक प्रकाशित की। बीजेपी नेता येदियुरप्पा ने 2010 के कर्नाटक चुनावों के दौरान वोट हासिल करने के लिए टीपू का ताज पहना था। भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने टीपू जयंती के अवसर पर 2017 में भेजे एक संदेश में टीपू की प्रशंसा की थी। कोविंद आरएसएस से थे मगर उन्होंने टीपू की तारीफ करते हुए कहा ''टीपू सुल्तान अंग्रेजों से लड़ते हुए एक वीर की तरह शहीद हुए। वे मैसूर रॉकेट के विकास और युद्ध में उसके उपयोग के प्रवर्तक थे''। टीपू का चित्र हमारे संविधान की हस्तलिखित मूल प्रति, जिस पर संविधान निर्माताओं के हस्ताक्षर हैं, के सोलहवें भाग में पृष्ठ 144 पर रानी लक्ष्मीबाई और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने वाली अन्य हस्तियों के साथ सुशोभित हैं। टीपू अपनी नीतियों के कारण मैसूर की जनता में लोकप्रिय थे। गांवों में गाए जाने वाले कई लोकगीतों में उनका गुणगान है। यही वजह है कि हमारे महानतम नाटककारों में से एक गिरीष कर्नाड ने कहा था कि यदि टीपू हिन्दू होते तो उनका दर्जा उतना ही ऊंचा होता जितना शिवाजी महाराज का महाराष्ट्र में है। लगभग यही सपकाल ने कहा है। उपमहापौर के कार्यालय में टीपू सुल्तान का चित्र लगाने का विरोध साम्प्रदायिक ताकतों की विभाजनकारी राजनीति का एक और उदाहरण है। राजाओं को सिर्फ उनके धर्म के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए बल्कि इसका मुख्य आधार विभिन्न धर्मों के लोगों के प्रति उनकी नीतियां और उनके लोक कल्याणकारी कार्य होना चाहिए। इस पैमाने पर टीपू बहुत उच्च स्थान पर नजर आते हैं। उनके खिलाफ साम्प्रदायिक शक्तियों का अधपका प्रोपेगेंडा विभिन्न समुदायों को बांटने के प्रयास के अलावा कुछ नहीं है। टीपू को बेहतरीन श्रद्धांजलि सुभाष चन्द्र बोस ने अर्पित की थी। उन्होंने टीपू के छलांग मारते शेर को अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध करने वाली अपनी आजाद हिन्द फौज का प्रतीक चिन्ह बनाया। टीपू का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने भारतीय राजाओं को ईस्ट इंडियां कंपनी और अंग्रेजों के बढ़ते खतरे के प्रति खबरदार किया था। इसके चलते ही उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ वीरता से लड़ाई लड़ी और चौथी अंग्रेज-मैसूर लड़ाई में अपनी शहादत दी। टीपू का दानवीकरण करने में जुटी साम्प्रदायिक शक्तियां उस विचारधारा से जुड़ी हुई हैं जिसने अंग्रेजों के राज के खिलाफ कभी एक अंगुली तक नहीं उठाई।

(लेख का अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया द्वारा)

संपादकीय

चुनावों में बढ़ती मुफ्त योजना

हाल ही में भारत का सवोच्च न्यायालय ने चुनावों में बढ़ती मुफ्त योजनाओं (फ्रीबीज) पर चिंता जताई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकान्त की अध्यक्षता वाली पीठ ने तमिलनाडु सरकार को सभी लोगों को मुफ्त बिजली देने की योजना पर फटकार लगाई। कोर्ट ने पूछा कि बिना जरूरत देखे सबको मुफ्त सुविधाएं देना देश के लिए सही संस्कृति नहीं है। मुफ्त योजनाओं से राज्यों पर कर्ज बढ़ सकता है। जब सरकार ज्यादा पैसा मुफ्त बांटने में खर्च करती है, तो विकास के कामों के लिए पैसा कम बचता है। सड़क, अस्पताल, स्कूल और उद्योग जैसे जरूरी काम प्रभावित हो सकते हैं। आर्थिक सर्वे 2025-26 ने भी कहा है कि ऐसी योजनाएं निवेश को कम करती हैं। कई राज्यों के पास पहले से ही पैसे की कमी है। फिर भी वे विकास के बजाय मुफ्त योजनाओं पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं। अगर बजट का बड़ा हिस्सा मुफ्त चीजों में चला जाएगा, तो रोजगार और विकास की योजनाएं कमजोर पड़ेंगी। इससे देश की आर्थिक वृद्धि पर असर पड़ेगा। यह भी सच है कि गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली जैसी सुविधाएं मिलनी चाहिए। लेकिन इसके लिए सही लोगों की पहचान जरूरी है। सिर्फ जरूरतमंदों को ही सहायता मिलनी चाहिए। सबको बिना शर्त मुफ्त देना सही नहीं है। फ्रीबीज की राजनीति से चुनावी बहस भी बदल जाती है। विकास और रोजगार जैसे मुद्दे पीछे रह जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी सभी राज्यों के लिए एक चेतावनी है। सरकारों को संतुलित और जिम्मेदार नीतियां बनानी चाहिए, ताकि देश का विकास लंबे समय तक बना रहे।

कल्पना नहीं, हकीकत है एआई की भारतीय दौड़

प्रमोद जोशी

भारत का 2023 में सातवें से तीसरे स्थान पर पहुंचना वैश्विक एआई दौड़ में तेज गति को रेखांकित करता है। सरकार का अनुमान है कि भारत में अगले दो वर्षों में 200 अरब डॉलर से ज्यादा का पूंजी निवेश एआई पर ही आएगा। अमेरिका और चीन के भारी पूंजी निवेश को देखते हुए यह प्रगति प्रशंसनीय है। दिल्ली में गलगोटिया विवि के 'रोबोटिक डॉग' और 'ड्रोन सॉकर एरीना' के कारण हुई फज़ीहत के बाद कुछ लोग पूछ रहे हैं कि आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारत वास्तव में क्या कुछ कर भी पाएगा? हमारे पास उसके लिए पर्याप्त तकनीकी आधार और टेलेंट है भी या नहीं? बहरहाल, इस घटना ने सरकार समर्थित टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्मों पर स्वदेशी नवाचार की गलत व्याख्या की ओर देश का ध्यान आकर्षित किया है। सोशल-मीडिया के लिए ऐसी घटनाएं चटपटे मसाले की तरह होती हैं, कुछ समय तक याद रहती हैं और फिर बिसरा दी जाती हैं। बहरहाल, इस घटना ने हमें इसकी उपयोगिता और अपनी उपलब्धियों पर विचार करने की सलाह दी है। इसके पहले जनवरी में दावोस सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जिवा की इस टिप्पणी को लेकर भी विवाद हुआ था कि भारत 'सेकंड-टियर' एआई पॉवर है। राजनीति-शास्त्री आयन ब्रेमर ने भी इस बात का हवाला देते हुए कहा था कि नए उभरते देशों को अमेरिका या चीन के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। इन दोनों बातों का तीखा जवाब देते हुए भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने कहा, भारत एआई देशों की 'साफ पहली कतार' में है। उन्होंने एआई आर्किटेक्चर की पांच परतों के रूप में वर्णित भारत की प्रगति का विवरण दिया: एप्लिकेशन, मॉडल, चिप, बुनियादी ढांचे और ऊर्जा के सभी पांच स्तरों पर 'भारत अच्छी प्रगति' कर रहा है। उन्होंने स्टैनफर्ड विवि की एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें भारत को एआई प्रवेश और तैयारियों में तीसरे स्थान पर और वैश्विक स्तर पर एआई प्रतिभा में दूसरे स्थान पर रखा गया है। बाद में आईएमएफ की अधिकारी ने इस विवाद को ठंडा करते हुए कहा कि संगठन भारत की एआई प्रगति के लिए भारी प्रशंसा करता है। उन्होंने इस गलतफहमी के लिए मॉडरेटर को दोषी ठहराया। अंतरिक्ष-विज्ञान, कंप्यूटिंग-सॉफ्टवेयर, बायोटेक्नोलॉजी, सेमी कंडक्टर, एआई और डेटा साइंस जैसी तकनीकों को 'हाईटेक' माना जाता है। इनका इस्तेमाल चिकित्सा (ईएचआर सिस्टम),

विनिर्माण (रोबोटिक्स) और अनुसंधान (लैब डायग्नोस्टिक) के अलावा रक्षा-तकनीक और अंतरिक्ष-विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रमुखता से होता है। स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी की 2025 ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी रैंकिंग में भारत को अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर रखा गया है, जो लंबी छलांग है। नवंबर में जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत एक साल में ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और जापान को पीछे छोड़ते हुए, चार पायदान ऊपर चढ़ गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नीति और शासन श्रेणी में भारत पांच पायदान फिसला भी है, जिस पर ध्यान देने की ज़रूरत है। भारत का 2023 में सातवें से तीसरे स्थान पर पहुंचना वैश्विक एआई दौड़ में तेज गति को रेखांकित करता है। सरकार का अनुमान है कि भारत में अगले दो वर्षों में 200 अरब डॉलर से ज्यादा का पूंजी निवेश एआई पर ही आएगा। अमेरिका और चीन के भारी पूंजी निवेश को देखते हुए यह प्रगति प्रशंसनीय है। रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि दुनिया भर की सरकारें एआई निवेश बढ़ा रही हैं: कनाडा ने 2.4 अरब डॉलर, चीन ने 47.5 अरब डॉलर का सेमीकंडक्टर फंड लॉन्च किया है, फ्रांस ने 109 अरब यूरो का वादा किया है, भारत ने 1.25 अरब डॉलर की घोषणा की है, और सऊदी अरब का प्रोजेक्ट ट्रांसेंडेंस 100 अरब डॉलर के व्यापक प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है। इन देशों के निवेश का कुछ हिस्सा भारत भी आएगा, क्योंकि भारत एआई के बड़े बाज़ार के रूप में विकसित हो रहा है। इसकी एक झलक दिल्ली में हुए एआई शिखर सम्मेलन में देखने को मिली, जिसमें 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 वैश्विक एआई लीडर शामिल हुए हैं। ग्लोबल साउथ में यह पहला वैश्विक एआई सम्मेलन है। इनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ पेरेज़-कास्टेजोन और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के अलावा ओपनएआई के सीईओ सैम अल्टमैन, गूगल डीपमाइंड के सीईओ डेमिस हसाबिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, मुकेश अंबानी और माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष ब्रेड स्मिथ जैसे बड़े औद्योगिक पदाधिकारी शामिल थे। इससे पहले ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया और फ्रांस में ऐसे सम्मेलन हो चुके हैं। बेशक भारत के पास अभी एआई की उन्नत विनिर्माण-सामर्थ्य नहीं है, क्योंकि उसके लिए आवश्यक चिप्स का उत्पादन हमारे यहां अभी नहीं हो रहा है, पर देश का सेमीकंडक्टर मिशन बहुत तेजी से गति पकड़ रहा है, जो चिप्स उपलब्ध कराएगा। एआई का मतलब केवल चिप्स निर्माण नहीं है। टेक्नोलॉजी का निर्माण करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होगी, जो अपना समय लेगी। अलबत्ता उसका इस्तेमाल करने वालों और उससे जुड़े इंजीनियरों और डेटा सेंटरों की संख्या हमारी प्रगति को बता रही है। एआई शोधकर्ताओं की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। इसकी प्रदर्शनी में उद्योग जगत के लीडरों, स्टार्टअप्स, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी प्रतिनिधियों और युवाओं की जैसी भीड़ आई, उससे अनुमान लगाया जा सकता है कि उत्सुकता का स्तर क्या है। हाल के वर्षों में देश की व्यवस्था में डिजिटाइज़ेशन ने भी इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के दरवाज़े खोले हैं। इस बात को समझने की ज़रूरत है कि एआई केवल रोबोटिक्स या गेमिंग नहीं है। उसकी भूमिका चिकित्सकीय और वैज्ञानिक अनुसंधान में है, प्रशासनिक कार्यों में है, खेती-किसानी में है। भारत में 90 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जो प्रतिदिन औसतन सात घंटे ऑनलाइन बिताते हैं। एनवीडिया, ओपन एआई, एंथ्रॉपिक और गूगल जैसी कंपनियां भारत में पैर जमाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। भारत सरकार प्रशासनिक और न्याय-व्यवस्थाओं को तेजी से प्रभावशाली बनाना चाहती है, जिसके लिए 'एआई-गवर्नेंस' के मॉडल सामने आ रहे हैं, वैसे ही जैसे देश ने 'डिजिटल-गवर्नेंस' को सफल बनाया। भारत में एकसाथ कई भाषाओं में तत्काल अनुवाद करने वाले एआई मॉडल की ज़रूरत महसूस की जा रही थी। बेंगलुरु स्थित सर्वम एआई ने 18 फरवरी को दिल्ली में शिखर सम्मेलन के दौरान, चैटजीपीटी और डीपसीक जैसे अपने स्वयं के बड़े भाषा मॉडल विक्रम का अनावरण करके इस काम को पूरा कर दिखाया है। विदेशी मॉडलों के साथ भारतीय भाषाओं का मेल नहीं बैठ पाता है। टी-20 क्रिकेट विश्व कप के टीवी प्रसारण के दौरान चैटजीपीटी के विज्ञापन स्लॉट के पीछे की व्यावसायिक-योजना पर शायद आपने ध्यान नहीं दिया होगा। कई लोगों की अच्छे स्कूलों तक पहुंच नहीं है, एआई उनकी मदद करेगा। भारत के जुगाड़-विशेषज्ञ बहुत जल्द इनके किफायती और आसान तरीके निकाल लेंगे। इंडिया एआई मिशन के तहत सरकार ने 38,000 जीपीयू को तैनात करने की योजना बनाई है, जो राष्ट्रीय स्तर पर साझा इंफ्रास्ट्रक्चर बनाएगी। इस साल एआई मिशन 2.0 के तहत 20,000 अतिरिक्त जीपीयू जोड़े जा रहे हैं, जिससे कुल क्षमता 58,000 जीपीयू हो जाएगी। जीपीयू या ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट शक्तिशाली कंप्यूटर चिप है जो मशीनों को तेज़ी से सोचने, छवियों को प्रोसेस करने, एआई प्रोग्राम चलाने, और जटिल कार्यों को सामान्य प्रोसेसर की तुलना में अधिक कुशलता से संभालने में मदद करता है। यह मिशन स्वास्थ्य, कृषि और सस्टेनेबल शहरों जैसे क्षेत्रों में एआई इनोवेशन को बढ़ावा दे रहा है। भारत में एआई टैलेंट पूल 2027 तक 6 लाख से बढ़कर 12.5 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है, लेकिन कंप्यूट पावर और फ्रंटियर मॉडल्स में अभी पीछे है। फिर भी, देश की विशाल जनसंख्या से उत्पन्न डेटा और युवा इंजीनियरिंग टैलेंट इस एआई रेस में हमें आगे रखेंगे।

(लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।)

मानव कल्याण हो भारत की उन्नति का मूल आधार

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

विकास को सामान्यतः आंकड़ों के माध्यम से मापा जाता है। जीडीपी की वृद्धि, निवेश में बढ़ोतरी, बुनियादी ढांचे का विस्तार और औद्योगिक उत्पादन जैसे संकेतक लंबे समय से प्रगति के मानक बने हुए हैं। दुनियाभर के देश अपनी आर्थिक रैंकिंग सुधारने के लिए लगातार प्रयासरत रहते हैं। भारत भी आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां वह वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। लेकिन इसी लक्ष्य के साथ एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठता है कि क्या केवल आर्थिक विकास ही प्रगति की सही पहचान हो सकता है, या फिर विकास के केंद्र में मानव जीवन की भलाई और खुशहाली को रखना अधिक आवश्यक है? यह बहस आर्थिक प्रगति के महत्व को नकारने की नहीं, बल्कि विकास की परिभाषा को इस तरह बदलने की है ताकि अर्थव्यवस्था इंसान की सेवा करे, न कि इंसान केवल अर्थव्यवस्था का साधन बनकर रह जाए। आर्थिक विकास निश्चित रूप से अवसरों के नए द्वार खोलता है। उत्पादन में वृद्धि, तकनीकी नवाचार और मजबूत बाजार रोजगार के अवसर पैदा करते हैं, आधारभूत संरचना को बेहतर बनाते हैं और राष्ट्रीय आय को बढ़ाते हैं। भारत की आर्थिक उदारीकरण के बाद की यात्रा इस बात का उदाहरण है कि कैसे खुली अर्थव्यवस्था और निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन देने से विकास की गति तेज हो सकती है। करोड़ों लोग गरीबी की रेखा से ऊपर उठे, शहरों का विस्तार हुआ और भारत विश्व अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरा। ये उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि किसी भी देश के लिए मजबूत आर्थिक आधार के बिना सामाजिक कल्याण सुनिश्चित करना संभव नहीं होता। फिर भी, चुनौती यह है कि विकास के लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुंच पा रहे हैं और आर्थिक आंकड़ों तथा आम नागरिकों के वास्तविक जीवन अनुभवों के बीच एक बड़ा अंतर दिखाई देता है। आज भी अनेक लोग स्वच्छ हवा, सुरक्षित पेयजल, पौष्टिक भोजन, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसी बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बड़े शहरों में बढ़ता प्रदूषण, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों में वृद्धि और इलाज की बढ़ती लागत यह दिखाती है कि विकास की वर्तमान दिशा में कई कमियां हैं। जब आर्थिक सफलता के साथ पर्यावरणीय क्षति और स्वास्थ्य संबंधी असुरक्षा भी बढ़े, तो यह विकास की स्थिरता पर सवाल खड़े करता है। ऐसा विकास, जो प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाए, अंततः आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए आवश्यक है कि अल्पकालिक लाभों की जगह दीर्घकालिक और मानव-केंद्रित विकास दृष्टि को अपनाया जाए। विकास की चर्चा में रोजगार की गुणवत्ता भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। तेज आर्थिक वृद्धि हमेशा पर्याप्त और स्थायी रोजगार में परिवर्तित नहीं होती। कई बार अर्थव्यवस्था बढ़ती है, लेकिन रोजगार उसी अनुपात में नहीं बढ़ पाते, जिसे 'जॉबलेस ग्रोथ' कहा जाता है। भारत जैसे युवा देश में विकास की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि युवाओं को सम्मानजनक और स्थिर रोजगार मिल सके। यदि विकास रोजगार सृजन में विफल रहता है, तो आर्थिक वृद्धि केवल आंकड़ों तक सीमित रह जाती है और सामाजिक परिवर्तन अधूरा रह जाता है। इसलिए विकास का लक्ष्य केवल धन कमाना नहीं, बल्कि ऐसे अवसर पैदा करना होना चाहिए जो लोगों को सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन दे सकें। दुनिया के कई देशों के अनुभव भी हमें महत्वपूर्ण सीख देते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, वि. बुच्ची बाबू, द्वारा तनमाई प्रिंट्स, 17-1-469/ए/42/23, आदर्शनगर, सैदाबाद हैदराबाद से मुद्रित, " आकाश ज्योति " हिंदी दैनिक 17-1-469/ए/42/23, आदर्शनगर के निकट यूनिक ग्रामर स्कूल, सैदाबाद, हैदराबाद-500059 (टी.एस) से प्रकाशित R.N.I. No. APHIN/2000/4452, मुख्य संपादक वि. बुच्चि बाबु Ph. No. 24075688, Fax : 91-040-24075688. E-Mail: info.southindiatimes@gmail.com. Contact :9000657700.

बाल गीत :

बच्चों को जब गुस्सा आया

जाड़ा आया, जाड़ा आया
शीतल पवन साथ में लाया।
गद्दा उठा अभी बिस्तर से,
फिर रजाई से हाथ मिलाया।
चाय पिलाई अदरक वाली,
केसर वाला दूध पिलाया।
छुपा रखा था पेटी भीतर,
निकला स्वेटर बाहर आया।
धोकर और सुखाकर मां ने,
छुन्नू-मुन्नू को पहनाया।
शीत लहर जब चली भयानक,
पापा ने हीटर जलवाया।
सी-सी करते दादाजी ने,
दादी से टोपा मंगवाया।
इस पर घर के सब बच्चों को,
बड़ों-बड़ों पर गुस्सा आया।
डांट-डांट कर सभी बड़ों को,
बिस्तर के भीतर घुसवाया।

-प्रभुदयाल श्रीवास्तव

युवाओं के करियर में पेरेंट्स की भूमिका

आज के युवा अपने निर्णय खुद लेने में विश्वास करते हैं। अक्सर वे अपने निर्णयों में माता-पिता को शामिल नहीं करते। घूमने के लिए बाहर जाने से लेकर बात चाहे करियर की क्यों न हो।

अक्सर यह देखा जाता है कि किसी छात्र ने अगर 10वीं पास की है। उसे 11वीं में किसी विषय का चयन करना है। वह अपने माता-पिता या बड़े भाई या बहन से सलाह लेना उचित नहीं समझता, बल्कि वह बाहरी माहौल से प्रभावित होकर अपने निर्णय खुद ही लेता है।

अगर किसी विषय में उसकी रुचि हो भी जिसमें वह करियर बनाना चाहता हो तो उस विषय में क्या करियर संभावनाएं हैं, इसकी तलाश उसे करनी चाहिए। साथ ही अपने माता-पिता या बड़े भाई-बहन से भी उस पर सलाह लेना जरूरी है। सलाह में फायदे हैं, इसलिए बाद में अपने निर्णय पर पछताना से अच्छा है कि पहले ही अपने घर के वरिष्ठ लोगों से सलाह-मशविरा कर लें।

कॉम्पिटिशन से युवाओं पर भी अपेक्षाओं का बोझ बढ़ा है। बात करियर बनाने की क्यों न हो। आज भले ही संचार माध्यमों में वृद्धि हो गई। इंटरनेट से कोई भी जानकारी का आसानी से जुटाई जा सकती है। युवाओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि अनुभव सबसे बड़ी चीज है। अनुभव कोई बाजार में मिलने वाली वस्तु नहीं है।

माता-पिता या परिजनों से ही हमें जीवन के सही मायने समझ में आएंगे। वे जो भी रास्ता दिखाएंगे वह सही होगा। कभी-कभी माता-पिता की अपेक्षाएं भी बच्चों से बढ़ जाती हैं। इन अपेक्षाओं के बोझ तले युवा दब जाते हैं। इससे उनकी जिंदगी निराशा की ओर मुड़ जाती है।

माता-पिता या परिजन भी यह ध्यान रखें कि वे अपने निर्णय युवाओं पर थोप कर उन पर अनावश्यक दबाव न बनाएं। अपने बच्चों की रुचि पहचानकर ही उन्हें भविष्य के लिए कोई सलाह दें और सही करियर चुनने में उनका मार्गदर्शन करें। सही मार्गदर्शन, सही विषय को चुनने के बाद अगर युवा उस पर मेहनत और लगन से पढ़ाई करेंगे तो सफलता मिलेगी।

विक्की की ईमानदारी

विक्की अपने स्कूल में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह को ले कर बहुत उत्साहित था। वह भी परेड़ में हिस्सा ले रहा था।

दूसरे दिन वह एकदम सुबह जग गया लेकिन घर में अजीब सी शांति थी। वह दादी के कमरे में गया, लेकिन वह दिखाई नहीं पड़ी।

'माँ, दादीजी कहाँ हैं?' उसने पूछा।

'रात को वह बहुत बीमार हो गई थीं। तुम्हारे पिताजी उन्हें अस्पताल ले गए थे, वह अभी वहीं हैं उनकी हालत काफी खराब है।'

विक्की एकाएक उदास हो गया। उसकी माँ ने पूछा, 'क्या तुम मेरे साथ दादी जी को देखने चलोगे? चार बजे मैं अस्पताल जा रही हूँ।'

विक्की अपनी दादी को बहुत प्यार करता था। उसने तुरंत कहा, 'हाँ, मैं आप के साथ चलूँगा।'

वह स्कूल और स्वतंत्रता दिवस के समारोह के बारे में सब कुछ भूल गया। स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह बहुत अच्छी तरह संपन्न हो गया। लेकिन प्राचार्य खुश नहीं थे। उन्होंने ध्यान दिया कि बहुत से छात्र आज अनुपस्थित हैं।

उन्होंने दूसरे दिन सभी अध्यापकों को बुलाया और कहा, 'मुझे उन विद्यार्थियों के नामों की सूची चाहिए जो समारोह के दिन अनुपस्थित थे।' आधे घंटे के अंदर सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों की सूची उन की मेज पर थी। कक्षा छे की सूची बहुत लंबी थी। अतः वह पहले उसी तरफ मुड़े।

जैसे ही उन्होंने कक्षा छे में कदम रखे, वहाँ चुप्पी सी छा गई। उन्होंने कठोरतापूर्वक कहा, 'मैंने परसों क्या कहा था?'

'यही कि हम सब को स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित होना चाहिए,' गोलमटोल उषा ने जवाब दिया। 'तब बहुत सारे बच्चे अनुपस्थित क्यों थे?' उन्होंने नामों की सूची हवा में हिलाते हुए पूछा।

फिर उन्होंने अनुपस्थित हुए विद्यार्थियों के नाम पुकारे, उन्हें डाँटा और अपने डंडे से उनकी हथेलियों पर मार लगाई।

'अगर तुम लोग राष्ट्रीय समारोह के प्रति इतने लापरवाह हो तो इसका मतलब यही है कि तुम लोगों को अपनी मातृभूमि से प्यार नहीं है। अगली बार अगर ऐसा हुआ तो मैं तुम सबके नाम स्कूल के रजिस्टर से काट दूँगा।' इतना कह कर वह जाने के लिए मुड़े तभी विक्की आ कर उन के सामने खड़ा हो गया।

'क्या बात है?'

'महोदय, विक्की भयभीत पर दृढ़ था, मैं भी स्वतंत्रता दिवस समारोह में अनुपस्थित था, पर आप ने मेरा नाम नहीं पुकारा।' कहते हुए विक्की ने अपनी हथेलियाँ प्राचार्य महोदय के सामने फैला दी। सारी कक्षा साँस रोक कर उसे देख रही थी।

प्राचार्य कई क्षणों तक उसे देखते रहे। उनका कठोर चेहरा नर्म हो गया और उन के स्वर में क्रोध गायब हो गया।

'तुम सजा के हकदार नहीं हो, क्योंकि तुम में सच्चाई कहने की हिम्मत है। मैं तुम से कारण नहीं पूछूँगा, लेकिन तुम्हें वचन देना होगा कि अगली बार राष्ट्रीय समारोह को नहीं भूलोगे। अब तुम अपनी सीट पर जाओ।'

विक्की ने जो कुछ किया, इसकी उसे बहुत खुशी थी।

इन पांच तरीकों से होगा बच्चों का दिमाग तेज

केवल परीक्षा के समय ही नहीं बल्कि दिमाग का हर समय सक्रिय होना जरूरी है। इसके लिए आप खानपान से लेकर अन्य कई तरीके भी आजमाते हैं ताकि बच्चों का दिमाग तेज हो और वे हर परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करें। जानिए 5 आसान और प्रभावकारी तरीके, जो दिमाग तेज करने में मदद करते हैं –

1 दिमागी कसरत

दिमाग तेज करने का सबसे प्रभावकारी तरीका है, दिमागी कसरत। इसके लिए आप बच्चों के साथ कोई दिमागी खेल जैसे-प्रश्नोत्तरी, शब्दकोश भरना या सही विकल्प चुनो खेल सकते हैं। दोस्तों की मदद से इस तरह के खेल खेले जा सकते हैं। यह बच्चे की याददाश्त को बढ़ाने के साथ ही याद रखने की इच्छा भी बनाए रखेगा।

2 नई भाषा

बच्चों को कम उम्र में भी अन्य भाषाओं का ज्ञान होने से उनका दिमाग ऐसे बच्चों की तुलना में तेज चलता है, जो केवल एक ही भाषा जानते हैं। इस तरह से बच्चे में और भी योग्यताएं विकसित होती हैं।

3 खेलकूद

बच्चे खेलकूद में जितने फुर्तीले होते हैं, उनका दिमाग उतना ही तेज और सक्रिय होता है। इस तरह से बच्चों के दिमाग में ऑक्सीजन का प्रवाह भी सही होता है, जो उनके दिमाग के लिए बहुत अच्छा होता है।

4 कलात्मकता

बच्चों का कला के प्रति रूझान दिमाग को विकसित करता है और नई चीजों के सीखने में मदद करता है। इस प्रकार बच्चों की कल्पनाशीलता में भी वृद्धि होती है, और वे बहुआयामी सोच रखते हैं।

5 गणित

जी हां, बचपन से ही बच्चे को गणित का अच्छा अभ्यास होना उसके दिमाग को तेज करने में मदद करता है। यही कारण है कि जिन लोगों की गणित में अधिक रूची होती है, वे अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा बुद्धिमान होते हैं।

ई-बुक नहीं बुक पढ़ें

आधुनिक तकनीक ने जहां एक ओर हमारे जीवन को आसान बना दिया है, वहीं दूसरी ओर इसकी वजह से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा हो रही हैं। रात में आईपैड, लैपटॉप या ई-रीडर पर किताबें पढने से नींद की गुणवत्ता कम हो जाती है। इससे सोने के लिए तैयार होने में लगने वाले वक्त और नींद के कुल समय पर नकारात्मक असर पडता है। हाल ही में अमेरिका में हुए इस शोध की प्रमुख एक यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर एना मारिया का कहना है कि इस शोध के लिए कुछ लोगों पर कई हफ्ते तक नजर रखी गई। इसमें से आधे लोगों को रात में सोने से पहले ई-बुक और आधे लोगों को सामान्य किताब पढने के लिए कहा गया।

इसके बाद इन लोगों में नींद वाले हॉर्मोन मेलाटोनिन के स्तर, नींद की गहराई और अगली सुबह उनकी सजगता के स्तर की जांच की गई। शोध में पाया गया कि जो लोग रोज ई-बुक पढ़ते हैं, वे कई घंटे कम सोते हैं और उनमें रैपिड आई मूवमेंट स्लीप का समय भी कम हो जाता है। गौरतलब है कि नींद की इसी अवस्था में यादें संरक्षित होती हैं। इसलिए ज्यादा समय तक ई-बुक पढने से स्मरणशक्ति कमजोर होती है और डिमेंशिया का भी खतरा बढ़ जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर आप पढने की शौकीन हैं तो ई-बुक के बजाय किताबों के साथ वक्त बिताएं। अगर किसी वजह से ई-बुक पढना जरूरी हो तो भी रात में सोने से पहले ई-बुक पढने से बचें।

बच्चों की परवरिश में ध्यान रखनी चाहिए ये बातें

बेटे-बेटी के लालन-पालन में भेद नहीं होना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार तो यह पाप है। इस संसार की जो पहली पांच संतानें हुई थीं, उनमें से तीन बेटियां थीं। मनु-शतरूपा हिंदू संस्कृति के अनुसार मनुष्यों के पहले माता-पिता थे और उनसे जो मैथुनि सृष्टि निर्मित हुई उसमें दो पुत्र- उत्तानपाद और प्रियव्रत तथा तीन बेटियां -आकुति, देवहुति और प्रसूति ने जन्म लिया था। समझदार माता-पिता अब दोनों को एक जैसा पाल रहे हैं, लेकिन इसी के साथ एक जागरूकता और आनी चाहिए। लालन-पालन में भेद न करें, लेकिन दोनों के सामने जो भविष्य में चुनौतियां आने वाली हैं, उस फर्क को उन्हें जरूर समझाएं। बेटियों को एक दिन बहू बनना है, जो सबसे बड़ी चुनौती है।

इस समय की पढ़ी-लिखी बच्चियां अपने वैवाहिक जीवन के बाद के भविष्य को लेकर थोड़ी चिंतित तो हैं पर फिर भी एक बेफिक्री है कि संबंध नहीं जमा तो तोड़ लेंगे। किंतु उनके मां-बाप के लिए तो यह जीवन-मरण का प्रश्न है, इसलिए बच्चों के लालन-पालन में बेटे-बेटी को यह एहसास जरूर कराया जाए कि स्त्री के लिए क्या मायने हैं ससुराल के। पहला तो बदलाव, दूसरा अपेक्षा और तीसरा अपने ससुराल में आत्मनिर्भर होकर बिना कलह के मार्ग ढूंढ़ना। ये तीन बड़ी चुनौतियां स्त्री के सामने आती हैं। स्त्री जब बहू बनती है तो उसे नए घर में दो बातें नहीं भूलनी चाहिए। योजनाबद्ध तरीके से विनम्रता के साथ सबको जीता जाए। पेट की भूख सही ढंग से यदि मिटा दी जाए, तो दिल जीता जा सकता है, इसलिए अन्न पर माता-बहनों का नियंत्रण किसी भी घर में समाप्त नहीं होना चाहिए। जिस घर में माता-बहनों के हाथ से अन्न का नियंत्रण निकलेगा, उस घर में शांति संदेहास्पद हो जाएगी। इस चुनौती को इसी तरह से समझाया जाए।

बच्चों की परीक्षा के समय ध्यान रखें ये बातें

कई बार परीक्षा में पेपर देखते ही हम ब्लैंक हो जाते थे। कई शोधों में ये बात सामने आई है कि इसकी वजह अत्यधिक तनाव बढ़ता है। अक्सर टीनएजर्स इस तनाव से गुजरते हैं। वे इसे अपने दोस्तों, माता-पिता और शिक्षकों के सामने मान-प्रतिष्ठा से जोड़कर देखते हैं। परीक्षा के समय में बच्चों से जुड़ी इन बातों का ध्यान रखना चाहिए...

1. व्यवस्थित बनाएं

उसकी जरूरत की चीजों को उसके पास रखें। सारी चीजें का ढेर न लगा दें। अगर बच्चें की अंग्रेजी की परीक्षा है तो ध्यान रहे उस वक्त व गणित की किताबें न पलटें। टाइमटेबल बनाने में उसकी मदद करें। मैक्स हेल्थकेयर गुड़गांव की क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एनी सिमि जॉन कहती हैं उसे एक बार में एक ही काम करने को कहें।

2. ब्रेक लेने के लिए कहें

शोध बताते हैं कि ज्यादा वक्त तक बैठना उपयोगी नहीं होता। लगातार 50 से 90 मिनट तक बैठना सही माना जाता है। अपने बच्चे को हर चार घंटे बाद करीब 15 मिनट का ब्रेक लेने को कहें। यह दिमाग को सूचनाएं याद रखने में मदद करता है। उसे बाहर वॉक करने के लिए कहें। ऑक्सीजन रक्त संचार को बढ़ाता है। फिजिकल एक्टिविटी भी तनाव कम करती है।

3. पावर फूड दें

पढ़ाई के दौरान दिमाग सारे ग्लुकोज का उपभोग कर लेता है। कोलकाता की न्युट्रिशनिस्ट हीना नफीस कहती हैं बच्चे को पढ़ाई के दौरान शरीर को फिर से फ्यूल देना पड़ता है। उसे ओमेगा थ्री और मेग्नीशियम और आयरन की ज्यादा मात्रा वाला भोजन दें। उसे नट्स, किडनी बीन्स और ताजे फल खाने को दें।

4. समय पर सोने को कहें

जर्मनी में यूनिवर्सिटी ऑफ ल्युबैक की एक रिसर्च के मुताबिक दिमाग नींद के दौरान नई चीजों को स्टोर करता है। इसके लिए 8 घंटे की नींद जरूरी है।

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन जनवरी में चार फीसदी बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों के उद्योगों की उत्पादन वृद्धि दर जनवरी में घटकर चार फीसदी पर आ गई है। हालांकि, यह वृद्धि दिसंबर, 2025 के 4.7 फीसदी के मुकाबले धीमी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने आंकड़ों में बताया कि इन प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर एक साल पहले जनवरी, 2025 में 5.1 फीसदी थी, जबकि दिसंबर, 2025 में यह 4.7 फीसदी रही थी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जनवरी अवधि के दौरान इन आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 2.8 फीसदी बढ़ा है, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में वृद्धि दर 4.5 फीसदी रही थी। आठ प्रमुख बुनियादी क्षेत्र के उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली शामिल हैं। ये देश के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक उत्पादन में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में लगभग 40.27 फीसदी का योगदान देते हैं।

केंद्र सरकार ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किया सात उपायों का ऐलान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सात उपायों की घोषणा की है। इनमें ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए ऋण सहायता एवं वैकल्पिक व्यापार साधनों को समर्थन शामिल है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने निर्यात प्रोत्साहन मिशन (ईपीएम) के तहत सात अतिरिक्त उपायों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पीयूष गोयल ने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए समाज के सबसे निचले तबके तक पहुंचना आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि समावेशी विकास, वंचित लोगों का सशक्तिकरण और भारत के त्वरित गति से हुए रूपांतरण में पीछे छूट गए लोगों को अवसर प्रदान करना सच्चे सामाजिक न्याय की प्राप्ति के लिए अनिवार्य है। आरबीआई/आईएफएससीए से मान्यता प्राप्त संस्थाओं के माध्यम से किए गए पात्र लेनदेन पर फैक्टरिंग लागत पर 2.75 फीसदी की ब्याज सब्सिडी प्रदान की जाएगी। सहायता की अधिकतम सीमा प्रति एमएसएमई 50 लाख रुपये सालाना है और पारदर्शिता और समय पर वितरण सुनिश्चित करने के लिए इसे डिजिटल दावा तंत्र के माध्यम से संसाधित किया जाएगा।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 311 अंक उछला, निफ्टी 25,550 के पार

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। 'पैक्स सिलिका' में भारत की भागीदारी की खबरों से शेयर बाजार में तेजी लौटी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचें (बीएसई) का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 316.57 अंक यानी 0.38 फीसदी उछलकर 82,814.71 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 633.94 अंक बढ़कर 83,132.08 अंक तक पहुंच गया था। सेंसेक्स 317 अंक की बढ़त के साथ, जबकि निफ्टी 25,550 के पार बंद हुआ।नेशनल स्टॉक एक्सेंचज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी 116.90 अंक यानी 0.46 फीसदी बढ़कर 25,571.25 पर बंद हुआ। इसके 36 शेयर बढ़त और 14 शेयर लाल निशान में रहे। कारोबार के दौरान यह 209.2 अंक यानी 0.82 फीसदी बढ़कर 25,663.55 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। सेंसेक्स के प्रमुख शेयरों में एनटीपीसी, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावरग्रिड, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बजाज फाइनेंस, टाइटन, मारुति सुजुकी इंडिया, एक्सिस बैंक और इंडिगो प्रमुख लाभ कमाने वाले शेयर रहे। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, इटरनल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अडानी पोर्ट्स को नुकसान हुआ।

केंद्र ने दिसंबर, 2025 तक 14 पीएलआई योजनाओं के तहत 28,748 करोड़ रुपये बांटे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए शुरू की गई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दवा समेत 14 क्षेत्रों को अब तक 28,748 करोड़ रुपये जारी किए हैं। 1.91 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय वाली इस योजना ने 14 महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मजबूत उद्योग भागीदारी को बढ़ावा दिया है। पीएलआई योजना का उद्देश्य भारत के विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना और स्थानीयकरण को बढ़ावा देना है।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के तहत 1.91 लाख करोड़ रुपये का प्रोत्साहन बजट रखा गया है, जो भारत के विनिर्माण आधार को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई एक महत्वपूर्ण सुधारात?मक पहल है। 14 महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 836 आवेदनों की स्वीकृति के साथ यह योजना उद्योग जगत के मजबूत विश्वास और इसके व्यापक उपयोग को दर्शाती है। पीएलआई योजना को उद्योग जगत शुरुआत से ही लगातार अपना रहा है और विनिर्माण क्षमता में निरंतर विस्तार हो रहा है। इस योजना के तहत पिछले साल 31 दिसंबर तक 14 क्षेत्रों में 836 आवेदन स्वीकृत हुए, 2.16 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कुल निवेश हुआ।

वर्तमान मनरेगा के किसी भी घटक में बजट की कोई कमी न हो : शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निर्देश दिए कि वर्तमान में चल रही मनरेगा योजना के किसी भी पात्र श्रमिक को काम मिलने में कोई परेशानी न हो तथा मनरेगा के किसी भी घटक में बजट की कोई कमी न हो। मंत्रालय में इस संबंध में आयोजित बैठक में मनरेगा और वीबी-जी राम जी एक्ट के बारे में चर्चा की गई। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि राज्यों को इस वर्ष 244 करोड़ सहमत मानव दिवस का बजट दिया गया था जिसमें से 204 करोड़ मानव दिवस का सृजन हो चुका है। अभी तक मनरेगा योजना के तहत वर्ष 2025-26 के दौरान 64.70 लाख कार्य पूरे किए जा चुके है तथा जनवरी 2025 तक 198 करोड़ मानव दिवस सृजित किए जा चुके है। योजना के अंतर्गत वर्तमान वित्त वर्ष में मजदूरी मद में 65,506 करोड़ जारी किए जा चुके है। इस दौरान बंगाल के लंबित

श्रम बजट पर भी चर्चा हुई।बैठक में श्रमिकों के ईकेवाईसी पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान बताया गया कि मनरेगा के तहत हर राज्य के एक जिले में फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक का सफलतापूर्वक प्रयोग किया जा रहा है। यह भी बताया गया कि फेस ऑथेंटिकेशन प्रणाली का बिना इंटरनेट के भी प्रयोग किया जा सकेगा। फिलहाल 80 प्रतिशत श्रमिकों का ईकेवाईसी पूरा हो चुका है और जल्द ही इस योजना को पूरे देश में लागू किया जाएगा। केन्द्रीय मंत्री ने इस तकनीक के प्रयोग की सराहना की तथा निर्देश दिए की वर्तमान में चल रही मनरेगा योजना के किसी भी पात्र श्रमिक को काम मिलने में कोई परेशानी न हो तथा मनरेगा के किसी भी घटक में बजट की कोई कमी न हो। बैठक में आगे दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) योजना पर विस्तृत समीक्षा की गई। चर्चा में बताया गया कि दोनो योजनाओं के लिए 'कौशल पंजी एप' के तहत महिलाओं एव युवाओं का ईकेवाईसी पूरा किया जा चुका है। जिससे डुप्लीकेशन की कोई संभावना नहीं रहेगी। समीक्षा बैठक में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के निर्धारित मानकों के तहत चल रही योजना की जानकारी दी गई। चर्चा में बताया गया कि जनवरी 2026 तक 18.29 लाख अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है तथा 11.78 लाख अभ्यर्थियों को नियोजित किया जा चुका है। इस दौरान आरएसईटीआई कार्यक्रमों में बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी चर्चा की गई। बताया गया कि पूर्व में संचालन एक निजी एजेंसी के माध्यम से किया जा रहा था, जिसे अब सुव्यवस्थित किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के 619 जिलों में स्थापना की प्रक्रिया प्रगति पर है। इनमें से 407 भवनों का निर्माण स्वीकृत किया जा चुका है। शिवराज सिंह चौहान ने इनकी राज्य स्तर पर भी नियमित समीक्षा करने की बात कही, ताकि लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण हों और लक्ष्य समय पर प्राप्त किया जा सके।

बरपेटा रोड में दिनदहाड़े भीषण डकैती, 12 करोड़ के आभूषण व नकदी लूटे

एजेंसी

बरपेटा रोड (असम)। राज्य के बरपेटा रोड में आज दिनदहाड़े एक सनसनीखेज डकैती की घटना सामने आई है। बदमाशों ने सेनको गोल्ड के शोरूम को निशाना बनाते हुए करीब 12 करोड़ के आभूषण तथा नकदी लूट लिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहर के बीचों-बीच मौजूद सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स शोरूम में पांच लोगों का एक गैंग ग्राहक बनकर घुसा।

मास्क पहने और हिंदी में बातचीत करने वाले कुछ युवकों ने पहले शोरूम के सीसीटीवी कैमरों का कनेक्शन काट दिया और फिर वारदात को अंजाम दिया।

बताया जा रहा है कि आरोपितों के पास पिस्टल थीं और उन्होंने कर्मचारियों को बंदूक की नोक पर बंधक बना लिया। लुटेरों ने कर्मचारियों को धमकी दी और हाथ-पैर बांधकर पिस्तौल दिखाते हुए करीब आधे घंटे तक

सोने-चांदी के आभूषण और नकदी लूट लिए। कहा जा रहा है कि उन्होंने कुछ कर्मचारियों पर हमला भी किया और सीसीटीवी खराब कर दिए, फिर सोने और हीरे के गहने लेकर मौके से भाग गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने पूरे इलाके में नाकेबंदी कर आरोपितों की तलाश शुरु कर दी है।

केंद्र ने व्यापार सूचकांक के आधार वर्ष को वित्त वर्ष 2022-23 में अपडेट किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत के व्यापार सूचकांकों के आधार वर्ष में बदलाव कर इसे वित्त वर्ष 2012-13 से बदल कर वित्त वर्ष 2022-23 कर दिया है। यह कदम देश की बदलती व्यापार संरचना और वैश्विक रुझानों को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय ने भारत के व्यापार सूचकांकों के आधार वर्ष में बदलाव की घोषणा कर इसे 2012-13 से बदल कर 2022-23 कर दिया।

मंत्रालय ने कहा कि अर्थव्यवस्था में आए ढांचागत बदलावों, व्यापार के बदलते तौर-तरीकों और मौजूदा आर्थिक संकेतकों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने के लिए यह कदम उठाया गया है। मंत्रालय ने बताया कि इस बदलाव से व्यापारिक आंकड़ों की प्रासंगिकता और विश्वसनीयता बढ़ेगी, जो नीति निर्माताओं और शोधकर्ताओं के लिए अब अधिक उपयोगी साबित होंगे। ये सूचकांक मंत्रालय के अधीन आने वाले वाणिज्यिक खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई-एंड-एस) द्वारा तैयार एवं प्रकाशित किए

जाते हैं। ये सूचकांक देश के बाहरी व्यापार क्षेत्र में कीमतों के उतार-चढ़ाव को समझने, राष्ट्रीय खातों के संकलन और व्यापार की शर्तों के आकलन के लिए महत्वपूर्ण संकेतक माने जाते हैं। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार सूचकांकों का संकलन और प्रकाशन करने वाले डीजीसीआई-एंड-एस ने कहा कि व्यापार सूचकांकों का आधार वर्ष में यह संशोधन अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक बदलावों, वस्तुओं की बदलती संरचना और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में परिवर्तनों के अनुरूप आंकड़ों को समायोजित करता है। अद्यतन श्रृंखला में 2022-23 को नया आधार वर्ष माना गया है, जो (2022-23 = 100)। ये कदम व्यापार के बदलते तौर-तरीकों और मौजूदा आर्थिक संकेतकों के साथ और बेहतर तालमेल बिठाने के लिए उठाया गया है।

बिटकॉइन घोटाला मामले में राज कुंद्रा को मिली जमानत

एजेंसी

मुंबई। बिटकॉइन घोटाले से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए मुंबई की विशेष पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) अदालत ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और मशहूर बिजनेसमैन राज कुंद्रा जमानत दे दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से इस मामले में दाखिल की गई चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए अदालत ने यह फैसला सुनाया है। अदालत सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिटकॉइन घोटाला मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। इस मामले में ईडी ने दुबई के कारोबारी राजेश सतीजा और राज कुंद्रा के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। इसी आरोप पत्र को संज्ञान लेते हुए अदालत ने राज कुंद्रा और दुबई के कारोबारी राजेश सतीजा को समन जारी किया था और दोनों को 19 जनवरी को अदालत में पेश होने का आदेश दिया गया था। लेकिन राज कुंद्रा तय समय पर पेश नहीं हो पाए थे। आज इस मामले की हो रही सुनवाई के दौरान राज कुंद्रा अपने वकील प्रशांत पाटिल के साथ अदालत में पेश हुए थे। इसके बाद राज कुंद्रा के वकील ने आज दोपहर 3 बजे राज कुंद्रा की तरफ से

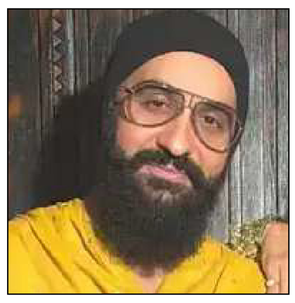

जमानत याचिका दायर की गई थी। इसके बाद राज कुंद्रा के वकील और सरकारी वकील ने अदालत में अपना पक्ष रखा। अदालत ने दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद राज कुंद्रा को जमानत दे दी। उल्लेखनीय है कि बिटकॉइन घोटाला मामला 2018 में पुणे के निगडी और नांदेड़ पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। आरोप है कि 'वेरिएबल टेक प्राइवेट लिमिटेड' और 'गैनबिटकॉइन' के प्रमोटर अमित भारद्वाज ने निवेशकों को बिटकॉइन माइनिंग के नाम पर भारी रिटर्न का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी की थी। इसी मामले में राज कुंद्रा पर भी बड़े पैमाने पर हेराफेरी के आरोप लगे थे। ईडी ने आरोप लगाया था कि राज कुंद्रा को मुख्य आरोपित अमित भारद्वाज से 285 बिटकॉइन मिले थे, जिनकी वर्तमान वैल्यू लगभग 150.47 करोड़ रुपये आंकी गई है। राज कुंद्रा पर ये आरोप भी लगा था कि उन्होंने इन बिटकॉइन के 'वॉलेट एड्रेस' की जानकारी देने से इनकार कर दिया था। जांच एजेंसी के अनुसार, कुंद्रा ने अपराध की कमाई को वैध दिखाने के लिए अपनी पत्नी के साथ बाजार दर से काफी कम कीमत पर संपत्तियों का लेनदेन किया था।

सूरत में साइबर रैकेट का पर्दाफाश, 800 करोड़ से अधिक का ट्रांजेक्शन, आठ गिरफ्तार

एजेंसी

सूरत/पाटण। सूरत के कतारगाम इलाके में साइबर क्राइम सेल ने बड़े ऑनलाइन बेटिंग रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस मामले में फरार आरोपित करण उर्फ द्वारकेश पीराभाई देसाई को पाटण जिले के वागडोद गांव से गिरफ्तार किया गया। आरोपित ने एमएससी आईटी की पढ़ाई कर रखी है।

800 करोड़ से अधिक का लेन-देन

जांच के दौरान पुलिस को लैपटॉप, मोबाइल फोन और कई बैंक चेकबुक बरामद हुए हैं। जांच में सामने आया कि 149 अलग-अलग बैंक खातों के जरिए ?8,00,66,51,326 (करीब 800 करोड़ रुपये) का ट्रांजेक्शन किया गया। इन खातों के खिलाफ एनसीआरपी पोर्टल पर देशभर से 402 शिकायतें दर्ज हैं।

अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े तार: पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि यह पूरा रैकेट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

संचालित हो रहा था, जिसके तार बैंकॉक और वियतनाम तक जुड़े हैं। मुख्य सरगना जतीन उर्फ जॉन रेपर ठक्कर 2डी, बीआईजी आईडीइए, ओपीएस, डीएएफए और पारिमैच जैसी 50 से अधिक ऑनलाइन बेटिंग साइट्स संचालित करता था और अवैध फंड ट्रांसफर के लिए विशेष प्लेटफॉर्म तैयार किया गया था।

'लियोपेय 155' फ्रेंचाइजी से होता था फंड ट्रांसफर

सूरत डीसीपी साइबर क्राइम बिशाखा जैन के अनुसार, आरोपी करण देसाई ने 'लियोपेय 155' नाम की फ्रेंचाइजी हासिल की थी। इसके जरिए वह ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग से जुड़े पैसों को म्यूल बैंक खातों में ट्रांसफर करता था। बाद में उसने यह काम अपने सह-आरोपी मीत शाह को सौंप दिया, जो फंड ट्रांसफर की प्रक्रिया को अंजाम देता था।

अब तक आठ आरोपित गिरफ्तार

इस मामले में अब तक कुल 8 आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इनमें मुख्य सरगना जतीन ठक्कर के अलावा मीत शाह, यश शिंदे, ऋषिकेश सपकाळ, निलेश सोलंकी, परेश कुमार मोदी और दीपक कुमार ठक्कर शामिल हैं। ये सभी सूरत, अहमदाबाद, पाटण और महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों के निवासी हैं और रैकेट में अलग-अलग भूमिकाएं निभा रहे थे।

कोर्ट से 5 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर

पाटण से पकड़े गए करण देसाई को सूरत लाकर अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने उसे 5 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि 800 करोड़ रुपये की रकम कहां ट्रांसफर की गई और इस पूरे नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है। अधिकारियों के अनुसार, आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

भवस्त्र मंत्रालय की परामर्श बैठक में टीईईएम और 'टेक्स इको' पहल पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। वस्त्र मंत्रालय ने दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में केंद्रीय बजट 2026 की घोषणाओं के बाद पहली राष्ट्रीय उद्योग परामर्श बैठक का आयोजन किया जिससे कार्यान्वयन प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया जा सके। इस परामर्श बैठक का मुख्य उद्देश्य बजट में घोषित दो प्रमुख पहलों वस्त्र विस्तार और रोजगार (टीईईएम) योजना और टेक्स इको पहल को क्रियान्वित करना रहा। इसका लक्ष्य वस्त्र और परिधान क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता आधुनिकीकरण स्थिरता और रोजगार सृजन को मजबूत करना है।

टेक्स इको पहल वस्त्र मूल्य श्रृंखला में स्थिरता संसाधन दक्षता और हरित विनिर्माण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव ने कहा कि भारतीय वस्त्र उद्योग का भविष्य उज्ज्वल है। नए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और वस्त्र-केंद्रित बजट के तालमेल से भारतीय निर्यातकों के लिए वैश्विक बाजारों के द्वार खुल गए हैं। मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव रोहित कंसल ने कहा कि यह बजट रोजगार सृजन विनिर्माण क्षमता बढ़ाने और वस्त्र क्षेत्र को समावेशी विकास का इंजन बनाने के सरकार के इरादे को दर्शाता है। उन्होंने इसे एक 'एकीकृत कार्यक्रम' बताया जो निवेश और नीतिगत समर्थन को एक मंच पर लाता है।

इस सत्र में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इनमें समयबद्ध अनुमोदन एमएसएमई क्षेत्र के लिए वित्तपोषण में सुधार क्लस्टर अवसंरचना लक्षित कौशल विकास डिजिटल निगरानी सहित राज्य नीतियों और निर्यात उपायों के साथ समन्वय करना शामिल है। इस मौके पर वरिष्ठ अधिकारी उद्योगपति और वस्त्र मूल्य श्रृंखला के प्रतिनिधि शामिल थे।

एपीपीएल कंटेनर्स लिमिटेड और अंजलि लैबटेक को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। एपीपीएल कंटेनर्स और अंजलि लैबटेक को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से आखिरी मंजूरी मिल गई है। सेबी की ओर से जारी अपडेट के मुताबिक इन सभी कंपनियों ने सितंबर से अक्टूबर के बीच सेबी के समक्ष अपने ड्राफ्ट दस्तावेज दाखिल किए थे। भावनगर की एपीपीएल कंटेनर्स लिमिटेड को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अंतिम मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने 25 सितंबर, 2025 को सेबी के समक्ष अपने आईपीओ के कागजात फाइल किए थे। एपीपीएल कंटेनर्स लिमिटेड के आईपीओ में

12,50,000 इक्विटी शेयर तक का फ्रेश इश्यू और प्रमोटर्स- हसमुखभाई मेघजीभाई विराडिया, वल्लभभाई मेघजीभाई विराडिया, मनीषाबेन विराडिया, वैभव वल्लभभाई विराडिया, सरिताबेन विराडिया, एकताबेन वैभवभाई विराडिया, तेजसभाई वल्लभभाई विराडिया और तीर्थराज हसमुखभाई विराडिया द्वारा 25,60,000 शेयर तक का ऑफर-फॉर-सेल शामिल है।ये एक मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है, जिसका मेन फोकस कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग पर है। एपीपीएल कंटेनर्स लिमिटेड गुजरात के भावनगर में अपनी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी से काम करती है। अपने मेन मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन्स के अलावा, कंपनी ने हाल ही में फिस्कल 2026 में कंटेनर लीजिंग सर्विस शुरू की हैं, जो अपने क्लाइंट्स की अलग-अलग ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए फ्लेक्सिबल लीजिंग ऑप्शन देती है।

अंजलि लैबटेक आईपीओ

अंजलि लैबटेक लिमिटेड को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अंतिम मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने 6 अक्टूबर, 2025 को सेबी के समक्ष अपने आईपीओ के कागजात फाइल किए थे।

अंजलि लैबटेक लिमिटेड सस्टेनेबल डायमंड टेक्नोलॉजी में एक ग्लोबल पायनियर है, जो हाई-क्वालिटी लैब ग्रोन डायमंड, एक्सक्लूसिव लैब ग्रोन डायमंड ज्वेलरी, एडवांस्ड डायमंड सेमीकंडक्टर मटीरियल और माइक्रोवेव प्लाज़्मा सीवीडी सिस्टम बनाती है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 725.72 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 फरवरी को समाप्त हफ्ते में 8.66 अरब डॉलर बढ़कर रिकॉर्ड 725.72 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 13 फरवरी को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार में 8.66 अरब डॉलर की जोरदार बढ़ोतरी से यह 725.72 अरब डॉलर के ऐतिहासिक शिखर पर पहुंच गया है। इससे पहले जनवरी में इसने 723.77 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर छुआ था।आंकड़ों के मुताबिक छह फरवरी को समाप्त हफ्ते में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 6.71 अरब डॉलर घटकर 717.06 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले का सर्वोच्च स्तर जनवरी माह में

723.774 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के मुताबिक इस दौरान मुद्रा भंडार का अहम घटक माने जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 3.55 अरब डॉलर बढ़कर 573.60 अरब डॉलर हो गईं।रिजर्व बैंक के मुताबिक इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 4.99 अरब डॉलर बढ़कर 128.46 अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के मुताबिक विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 10.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.92 अरब डॉलर हो गया। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 1.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.734 अरब डॉलर हो गया।

गेहूं, चीनी मजबूत; दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव स्थिर रहे। गेहूं और चीनी की कीमतों में तेजी देखी गयी जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 3,860 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। गेहूं का भाव छह रुपये बढ़कर 2,858 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। आटा भी 11 रुपये महंगा हुआ। दाल-दलहनों में तुअर दाल औसतन 15 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मूंग दाल की कीमत 13 रुपये और उड़द दाल की पांच रुपये बढ़ गयी। मसूर दाल पांच रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। चना दाल के भाव में टिकाव रहा। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 27 रिंगिट टूटकर 4,090 रिंगिट प्रति क्विंटल पर रहा। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.75 प्रतिशत की गिरावट में 59.64 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल की औसत कीमत 45 रुपये बढ़ गयी। मूंगफली तेल में 36 रुपये और पाम ऑयल में 22 रुपये की तेजी रही। सोया तेल 16 रुपये महंगा हुआ। सरसों तेल की कीमत नौ रुपये और वनस्पति की चार रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव अपरिवर्तित रहे। चीनी भी तीन रुपये महंगी हुई।

देश में दूरसंचार नेटवर्क एआई से होंगे और स्मार्ट, पारदर्शी एवं सुरक्षित : ट्राई अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब टेलीकॉम सेक्टर में कोई अतिरिक्त तकनीक नहीं रह गई है, बल्कि यह नेटवर्क के डिजाइन, संचालन और उपभोक्ता अनुभव का आधार बन चुकी है। जिम्मेदार एआई से उपभोक्ता भरोसा और पारदर्शिता बढ़ेगी तथा टेलीकॉम सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा में सुधार होगा। ट्राई के इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान यहां सुषमा स्वराज भवन में दूरसंचार में जिम्मेदार एआई विषय पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष अनिल कुमार लोहाटी ने कहा कि भारत जैसे बड़े देश में, जहां 1.2 अरब से ज्यादा मोबाइल ग्राहक और लगभग एक अरब डेटा उपयोगकर्ता हैं, वहां एआई आधारित ऑटोमेशन अब विकल्प नहीं बल्कि जरूरी हो गया है। कार्यक्रम में सरकार के प्रतिनिधि, वैश्विक तकनीकी कंपनियों के नेता, टेलीकॉम सेवा प्रदाता और अंतरराष्ट्रीय नीति समुदाय के सदस्य शामिल रहे।

अध्यक्ष ने बताया कि एआई का इस्तेमाल नेटवर्क प्रदर्शन सुधारने, खराबी का पूर्वानुमान लगाने, ऊर्जा बचाने, ग्राहक अनुभव बेहतर करने और स्पैम व धोखाधड़ी रोकने में किया जा रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि स्पैम कॉल और संदेशों पर कार्रवाई के तहत 21 लाख से ज्यादा नंबर बंद किए गए हैं और एआई व

ब्लॉकचेन आधारित फिल्टरिंग से शिकायतें घटकर प्रति करोड़ कॉल और एसएमएस पर लगभग एक तक रह गई हैं।

उन्होंने कहा कि एआई का इस्तेमाल जितना बड़ा होता है, उसका असर भी उतना ही व्यापक होता है। इसलिए पारदर्शिता, जवाबदेही और उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा बेहद जरूरी है। ट्राई ने 2023 में एआई और बिग डेटा के इस्तेमाल पर सिफारिशें जारी की थीं, जिसमें जोखिम आधारित नियामक ढांचा सुझाया गया था। 2024 में रेगुलेटरी सैंडबॉक्स की सिफारिशें भी दी गईं, ताकि 5जी और भविष्य की 6जी नेटवर्क पर एआई आधारित समाधान सुरक्षित माहौल में परखे जा सकें। अध्यक्ष ने कहा कि आज की दो मुख्य सत्र इसी जिम्मेदारी को दर्शाते हैं। पहला सेशन नेटवर्क को एआई युग के लिए तैयार करने पर केंद्रित है, जबकि दूसरा सेशन ग्राहक भरोसा बनाने और एआई आधारित संचालन में पारदर्शिता व नैतिकता पर चर्चा करेगा। भारत का अनुभव वैश्विक स्तर पर उपयोगी साबित हो सकता है और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से साझा चुनौतियों का समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि एआई टेलीकॉम का भविष्य तय करेगा, लेकिन इसे किस तरह डिजाइन और लागू किया जाता है, वही तय करेगा कि यह भविष्य भरोसेमंद, समावेशी और टिकाऊ होगा। ट्राई सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करता रहेगा ताकि एआई नवाचार के साथ-साथ जनता के हितों की भी रक्षा हो सके।

भारत-साउथ अफ्रीका सुपर-8 में महामुकाबले को तैयार, अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम बनेगा गवाह

एजेंसी, नई दिल्ली

दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट मैदान नरेंद्र मोदी स्टेडियम एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है। टी20 वर्ल्ड कप सुपर-8 के बहुप्रतीक्षित मुकाबले में रविवार, 22 फरवरी को भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मैच केवल ग्रुप स्टेज की जंग नहीं, बल्कि 2024 के फाइनल की यादें ताजा करने वाली भिड़ंत भी है। भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कर रहे हैं, जबकि साउथ अफ्रीका की कमान एडन मारक्रम के हाथों में है। दोनों टीमें सुपर-8 में अजेय लय के साथ प्रवेश कर चुकी हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने अपने-अपने ग्रुप में चारों मैच जीतकर दबदबा बनाया। अहमदाबाद की पिच पर दोनों टीमों का अनुभव भी समान है साउथ अफ्रीका ने अपने ग्रुप-डी के तीन मुकाबले यहीं खेले, जबकि भारत ने नीदरलैंड को इसी पिच पर

हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। ऐसे में यह मुकाबला परिस्थिति और माहौल से भलीभांति परिचित दो मजबूत टीमों के बीच कड़े संघर्ष का संकेत देता है। टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए मुकाबले हमेशा रोमांच से भरपूर रहे हैं। अब तक खेले गए सात मैचों में भारत ने पांच बार जीत दर्ज की है, जबकि दक्षिण अफ्रीका केवल दो मैचों में सफल रहा है। 2010 में सेंट लूसिया में भारत का सर्वोच्च स्कोर 186/5 रहा, वहीं 2007 में डरबन में दक्षिण अफ्रीका 116/9 के अपने न्यूनतम स्कोर पर ढेर हुआ था। व्यक्तिगत प्रदर्शनों की बात करें तो उस सुरेश रैना ने इन मुकाबलों में सर्वाधिक 170 रन बनाए थे, जबकि डेविड मिलर औसत के मामले में शीर्ष पर हैं। गेंदबाजी में भारत के लिए आरपी सिह और रविचंद्रन अश्विन पांच-पांच विकेट लेकर संयुक्त रूप से सबसे सफल रहे हैं। रणनीति की बात करें तो अहमदाबाद की पिच अक्सर स्पिन गेंदबाजों की मददगार साबित होती है। भारत के पास कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसी दमदार स्पिन जोड़ी मौजूद है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को मार्करम और केशव महाराज से काफी उम्मीदें होंगी। आमिर की हालिया भविष्यवाणी के बाद भारतीय टीम पर खुद को साबित करने का दबाव भी बढ़ गया है। अभिषेक शर्मा की खराब फॉर्म चिंता का विषय है, लेकिन बड़ा मंच खिलाड़ियों को लय में लौटने का अवसर भी देता है। दक्षिण अफ्रीका के सामने 2024 की कड़वी हार की यादें भी हैं, जब ब्रिजटाउन में भारत ने सात रन से जीत दर्ज की थी। इस बार दोनों टीमें सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी और क्रिकेट जगत की निगाहें अहमदाबाद में होने वाली इस ऐतिहासिक जंग पर टिकी होंगी।

संभावित टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्कराम (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेलटन, डेवाल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, मार्को यानसन, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्खिया, क्वेना मफाका, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, जेसन स्मिथ, कॉर्बिन बॉश।

अभिषेक इस कारण हो रहे असफल : अश्विन

फार्म हासिल करने के लिए भी दिये सुझाव

एजेंसी, चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अब तक टी20 विश्वकप मैचों में रन बनाने में असफल रहे हैं। अभिषेक अपने तीनों ही मैचों में खाता नहीं खोल पाये हैं। जिससे सुपर-8 में उनके प्रदर्शन को लेकर चिंताएं बढ़ गयी हैं। वहीं पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने इस युवा बल्लेबाज को असफल होने के कारण बताने के साथ ही फार्म हासिल करने के लिए अहम सुझाव भी दिया है। अश्विन ने उनकी बल्लेबाजी का आंकलन करते हुए उनकी कमजोरी बताई है। अश्विन के अनुसार अब अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों ने अभिषेक के खेलने के तरीके को समझ लिया है। इसलिए गेंदबाज अब उन्हें हावी होने के लिए बिल्कुल जगह नहीं देते। गेंदबाज अब अभिषेक के शरीर के बहुत करीब गेंदबाजी कर रहे हैं। वहीं अभिषेक अपना सामने वाला पैर हटाकर जोर से बल्ला घुमाते हैं। ऐसे में जब गेंद शरीर के करीब आती है तो उन्हें शॉट खेलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती है जिससे वह आउट हो रहे हैं। अश्विन के अनुसार अगर नीदरलैंड के खिलाफ मैच को देखें तो गेंदबाज आर्यन दत्त ने इसी रणनीति का प्रयोग किया। आर्यन ने गेंद को अंदर की तरफ एंगल दिया जिससे वह सीधे अभिषेक के शरीर की लाइन में आई। अभिषेक उस गेंद की लाइन में नहीं आ सके और बोल्ड को गये। अभिषेक को शॉट खेलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिली जिसके कारण वह आउट हो गए। गेंदबाजों ने इस प्रकार अभिषेक की आक्रामक बल्लेबाजी पर अंकुश लगा दिया हहै। अश्विन ने अभिषेक को अपनी तकनीक सुधारने के लिए सलाह देते हुए कहा कि उन्हें शिवम दुबे की बल्लेबाजी देखनी चाहिये। शिवम भी अपना पैर हटाते हैं लेकिन उनका सिर हमेशा गेंद की लाइन में रहता है। अश्विन का सुझाव है कि नई गेंद का सामना करते समय अभिषेक को सिर के साथ आगे बढ़ना चाहिए। केवल पैर हटाकर जगह बनाने की जगह पर उन्हें गेंद की दिशा और गति के अनुसार तालमेल बिठाना होगा। अगर वह शिवम की तरह गेंद की लाइन में रहकर खेलेंगे तो उन्हें ज्यादा लाभ होगा। पावरप्ले में सफल होने के लिए उन्हें अपने फुटवर्क में यह छोटा सा बदलाव करना होगा। अश्विन का मानना है कि तकनीकी सुधार ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक लंबी पारी खेलने में सहायता करेंगे। अश्विन के अनुसार, एक या दो मैचों की विफलता के आधार पर खिलाड़ी को बाहर नहीं किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि अभिषेक एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं और लय मे होने पर पावरप्ले में बहुत आक्राम साबित होते हैं। हालिया खराब फॉर्म का एक कारण उनकी बीमारी भी है जिससे उनकी एकाग्रता टूटी है। अश्विन ने अभिषेक की प्रतिभा पर पूरा भरोसा जताया है और उन्हें टीम में बनाए रखने का समर्थन किया है।

एफआईएच मेंस प्रो लीग के होबार्ट चरण में स्पेन ने भारत को 2-0 से हराया

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम को होबार्ट चरण के अपने पहले मुकाबले में स्पेन के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबला कड़ा रहा, लेकिन स्पेन ने अपने मौकों का बेहतर उपयोग करते हुए जीत दर्ज की। स्पेन के लिए इग्नासियो अबाजो (6') और इग्नासियो कोबोस (36') ने एक-एक गोल किया, जो निर्णायक साबित हुए।

पहले क्वार्टर में स्पेन की बढ़त- मैच की शुरुआत में भारतीय टीम ने तेज पासिंग और आक्रामक रुख अपनाते हुए खेल पर नियंत्रण बनाने की कोशिश की। हालांकि, स्पेन की जवाबी रणनीति कारगर साबित हुई। छठे मिनट में इग्नासियो अबाजो ने शानदार डिफ्लेक्शन के जरिए गोल कर स्पेन को बढ़त दिलाई। भारत ने गोल खाने के बाद भी संयम बनाए रखा और मिडफील्ड से तेज मूव बनाते हुए कई मौके तैयार किए। पहले क्वार्टर के अंत में अभिषेक ने जोरदार शॉट लगाया, लेकिन स्पेन के गोलकीपर लुइस कालजादो ने बेहतरीन बचाव करते हुए बराबरी का मौका छीन लिया।

दूसरे और तीसरे क्वार्टर में संघर्ष- दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। 24वें मिनट में स्पेन को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने शानदार बचाव किया। हाफ टाइम तक स्पेन 1-0 से आगे रहा। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में स्पेन ने दबाव बढ़ाया और 36वें मिनट में इग्नासियो कोबोस ने नजदीक से गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद स्पेन को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने अनुशासित खेल दिखाते हुए और गोल नहीं होने दिया।

अंतिम क्वार्टर में भारत का प्रयास नाकाम- चौथे और अंतिम क्वार्टर में भारत ने जोरदार वापसी की कोशिश की। टीम ने स्पेन के सर्कल में लगातार दबाव बनाया और पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किया, लेकिन उसे भुना नहीं सकी। भारतीय गोलकीपर होननेहल्ली शशिकुमार मोहिथ ने भी एक-के-बनाम-एक स्थिति में शानदार बचाव किया। अंतिम चार मिनट में भारत ने अतिरिक्त आउटफील्ड खिलाड़ी उतारने के लिए गोलकीपर को बाहर बुलाया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद टीम गोल नहीं कर सकी।

सुपर-8 में इंग्लैंड और श्रीलंका की अहम भिड़ंत, पल्लेकेले में इंग्लैंड बदलेगा लय

एजेंसी, पल्लेकेले

टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 चरण में आज पल्लेकेले में इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच रोमांचक मुकाबला खेला जाएगा। इंग्लैंड भले ही सुपर-8 में प्रवेश कर चुका हो, लेकिन उसका प्रदर्शन अब तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। टीम को एसोसिएट देशों के खिलाफ जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा, जबकि पूर्व चैंपियन वेस्टइंडीज से उसे हार झेलनी पड़ी थी। ऐसे में इंग्लैंड इस मैच के जरिए अपनी लय वापस हासिल करना चाहेगा। दिलचस्प बात यह है कि टूर्नामेंट से पहले आयोजित तीन मैचों की टी20 सीरीज में इंग्लैंड ने श्रीलंका का 3-0 से क्लीन स्वीप किया था, जिससे टीम को एकबार फिर प्रेरणा मिल सकती है। दूसरी ओर, सह-मेजबान श्रीलंका ने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की थी। आयरलैंड और ओमान को हराने के बाद टीम ने ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से मात देकर अपने इरादे साफ कर दिए थे। हालांकि, अंतिम ग्रुप मैच में जिम्बाब्वे के हाथों मिली हार ने उसके अभियान को थोड़ा झटका दिया। श्रीलंका अब घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर सुपर-8 में मजबूत शुरुआत करना चाहेगा। टीम के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका

अब तक शानदार फॉर्म में हैं और इस विश्व कप में शतक लगाने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोररों में दूसरे स्थान पर हैं। उनके अलावा कुसल मेंडिस भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और चार मैचों में तीन अर्धशतक लगा चुके हैं। इंग्लैंड के लिए बल्लेबाजी चिंता का विषय रही है। जैकब बेथेल ने जरूर 143 रन बनाकर प्रभावित किया है, लेकिन कप्तान हैरी ब्रूक और जोस बटलर की फॉर्म अभी भी टीम को परेशान कर रही है। गेंदबाजी में आदिल राशिद और लियाम डॉसन इंग्लैंड की उम्मीदों का केंद्र होंगे। राशिद चार मैचों में छह विकेट ले चुके हैं और स्थिति उनके पक्ष में रही तो वह श्रीलंकाई बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकते हैं। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर पर भी टीम को भरोसा रहेगा। श्रीलंका की गेंदबाजी में महीश तीक्षाना छह विकेट के साथ सबसे सफल रहे हैं। हालांकि तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना के बाहर होने से टीम को बड़ा झटका लगा है, लेकिन उनकी जगह आए दिलशान मदुशंका ने प्रभावित किया है। दुशमंथा चमीरा भी आखिरी मैच में आराम करने के बाद वापसी के लिए तैयार हैं। मैच पर बारिश का खतरा भी मंडरा रहा है, जिससे परिणाम प्रभावित हो सकता है। दोपहर 3 बजे शुरू होने वाला यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए सुपर-8 के अभियान में टोन सेट करने वाला साबित होगा।

टीम इस प्रकार हैं:

इंग्लैंडः हैरी ब्रुक (कप्तान), टॉम बैंटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल साल्ट, जैकब बेथेल, सैम करेन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग, ल्यूक वुड।

श्रीलंकाः कुसल मेंडिस, कामिल मिशारा, पथुम निसांका, कुसल परेरा, पवन रत्नायके, दासुन शनाका (कप्तान), चैरिथ असालंका, दुशान हेमंथा, जेनिथ लियानगे, कामिंदु मेंडिस, दुशमंथा चमीरा, दिलशान मदुशंका, प्रमोद मदुशन, महीश तीक्षाना, डुनिथ वेललागे।

संक्षिप्त

मुंबई और अहमदाबाद की चुनौतीपूर्ण पिचों पर मोर्ने मोर्कल ने जताई क्यूरेटरों के प्रति सहानुभूति

मुंबई। मुंबई के वानखेड़े और अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में बल्लेबाजी के लिए कठिन मानी जा रही पिचें क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। इन सतहों पर भारतीय बल्लेबाजों को रनगति बढ़ाने में संघर्ष करना पड़ा है। एक पिच पर नमी अधिक रही, जबकि दूसरी पर गेंद रुककर आ रही थी, जिससे बल्लेबाजों के लिए शॉट खेलना आसान नहीं था। इसके बावजूद भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने पिच तैयार करने वाले क्यूरेटरों के प्रति सहानुभूति जताते हुए कहा कि उन्होंने उपलब्ध परिस्थितियों के हिसाब से सर्वोत्तम प्रयास किया है। मोर्कल के अनुसार, सत्र के अंतिम चरण में 200 से अधिक रन वाली पिच तैयार करना आसान नहीं होता और क्यूरेटर इस चुनौती को काफी दबाव में रहकर निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थितियों में उन्हें पूरा श्रेय मिलना चाहिए। इन पिचों पर आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर भारतीय बल्लेबाजों को शुरुआती मैचों में लय हासिल करने में मुश्किल हुई। तिलक वर्मा जहां तेज शुरुआत नहीं कर सके, वहीं सूर्यकुमार यादव को भी अपने शॉट खेलने से पहले सावधानी बरतनी पड़ी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले से पहले मोर्कल ने माना कि दर्शकों की उम्मीदें बड़ी होती हैं और वे ऊंचे स्कोर वाले रोमांचक मैच देखना चाहते हैं। ऐसे में क्यूरेटरों पर बेहतर पिच देने का अतिरिक्त दबाव रहता है। उन्होंने कहा कि पिच के व्यवहार का सही आकलन करना हमेशा चुनौतीपूर्ण काम रहा है। भले ही टीम नमी, सूखापन और गेंद की गति का अनुमान लगाने की कोशिश करती है, लेकिन सटीक भविष्यवाणी कम ही हो पाती है। इसलिए ऐसे खिलाड़ियों की मौजूदगी अहम होती है, जो बदलती परिस्थितियों को जल्दी समझकर अपना खेल ढाल सकें।

जीपीकेएल सीजन 2 में धूम मचाएंगे यूरोप, अफ्रीका और एशिया के कबड्डी खिलाड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्लोबल प्रवासी कबड्डी लीग (जीपीकेएल) ने आगामी सीजन में कई महाद्वीपों के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी की पुष्टि की है। अपने पहले संस्करण (जीआईपीकेएल के रूप में संचालित) में रखी गई नींव पर आधारित सीजन 2 लीग के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो एक प्रारंभिक पहल से कबड्डी के लिए एक अधिक संरचित, वैश्विक स्तर पर उन्मुख मंच के रूप में विकसित हो रहा है। आगामी सीजन में यूरोप, अफ्रीका और एशिया के पुरुष और महिला दोनों खिलाड़ियों के शामिल होने की उम्मीद है, जिससे भारत के कबड्डी गढ़ और खेल के उभरते वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र के बीच एक सेतु के रूप में जीपीकेएल की स्थिति और मजबूत होगी। सीजन 2 में इंग्लैंड, नीदरलैंड, पोलैंड, हंगरी, चेक गणराज्य और जर्मनी

सहित यूरोपीय देशों से अंतरराष्ट्रीय भागीदारी की उम्मीद है। इसके अलावा, तंजानिया, केन्या और कैमरून से अफ्रीकी प्रतिनिधित्व की उम्मीद है- ये वे क्षेत्र हैं जहां हाल के वर्षों में कबड्डी का जमीनी स्तर पर लगातार विकास हुआ है। हांगकांग और ताइवान के खिलाड़ियों के सीजन 2 में शामिल होने से एशियाई भागीदारी भी बढ़ेगी। इन क्षेत्रों के खिलाड़ियों का शामिल होना पारंपरिक रूप से खेलने वाले देशों से परे कबड्डी में बढ़ती रुचि के व्यापक रुझान को दर्शाता है और खेल के वैश्विक विकास को गति देने में संरचित प्रतिस्पर्धी मंचों की बढ़ती भूमिका को उजागर करता है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने एक बयान में कहा, "महत्वपूर्ण बात यह है कि सीजन 2 में पुरुष और महिला दोनों खिलाड़ी भाग लेंगे। लीग की लैंगिक प्रतिनिधित्व के प्रति प्रतिबद्धता समावेशी विकास और अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव के अपने दीर्घकालिक दृष्टिकोण का केंद्र है।" अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी संरचित प्रतिस्पर्धा, कोचिंग वातावरण और अनुभवी भारतीय खिलाड़ियों के साथ बातचीत के माध्यम से विदेशी कबड्डी खिलाड़ियों के लिए सार्थक रास्ते बनाने के चल रहे प्रयासों को भी पूरा करती है। अपने शुभारंभ सत्र में जीआईपीकेएल के रूप में शुरू हुआ यह टूर्नामेंट अब एक अधिक व्यापक वैश्विक दृष्टिकोण और सुनियोजित विकास पर अधिक जोर देने वाली ग्लोबल प्रवासी कबड्डी लीग के रूप में विकसित हो चुका है। जैसे-जैसे कबड्डी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार कर रहा है, सीमा पार भागीदारी को सक्षम बनाने वाले मंचों से खेल की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और दीर्घकालिक संस्थागत विकास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

माइक टायसन के खिलाफ एग्ज़िबिशन मुकाबले के बाद संन्यास तोड़ेंगे फ्लॉयड मेवेदर

एजेंसी, लॉस एंजेलिस

पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर ने शुक्रवार को घोषणा की है कि वह माइक टायसन के खिलाफ एग्ज़िबिशन मुकाबले के बाद पेशेवर बॉक्सिंग में वापसी करेंगे। 48 वर्षीय मेवेदर ने 2017 में 50 मुकाबलों में अपराजित रहते हुए संन्यास लिया था, हालांकि इसके बाद उन्होंने कई प्रदर्शनी मुकाबलों में हिस्सा लिया। मेवेदर ने एक बयान में कहा कि उनके पास अभी भी बॉक्सिंग में नए रिकॉर्ड बनाने की क्षमता है। उन्होंने दावा किया कि माइक टायसन के साथ होने वाले मुकाबले से लेकर अपने अगले पेशेवर फाइट तक, उनके इवेंट्स सबसे ज्यादा दर्शक, वैश्विक प्रसारण और कमाई दर्ज करेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनका पहला पेशेवर मुकाबला इस गर्मी में प्रस्तावित है, हालांकि प्रतिद्वंद्वी के नाम की घोषणा अभी नहीं की गई है। विस्तृत जानकारी आने वाले हफ्तों में साझा की जाएगी। 'मनी' के नाम से

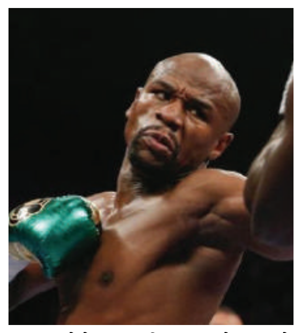

मशहूर मेवेदर कभी दुनिया के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। वर्ष 2015 में उनकी कमाई 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर बताई गई थी। अपने करियर के चरम पर उन्हें पाउंड-फॉर-पाउंड श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ माना जाता था और उन्होंने एक दशक से अधिक समय तक वेल्टरवेट डिवीजन में दबदबा बनाए रखा। हालांकि, मेवेदर का करियर विवादों से भी जुड़ा रहा। उनकी रक्षात्मक शैली को लेकर आलोचना हुई और कुछ लोगों ने उन पर कठिन प्रतिद्वंद्वियों से बचने के आरोप लगाए। घरेलू हिंसा के मामलों में उन्हें जेल की सजा भी काटनी पड़ी। इसके बावजूद उनकी फिटनेस, अनुशासन और खेल समझ ने उन्हें रिंग में सम्मान दिलाया। मेवेदर का आखिरी पेशेवर मुकाबला 2017 में यूएफसी स्टार कॉनर मैकग्रेगर के खिलाफ था। इसके बाद उन्होंने कई एग्ज़िबिशन फाइट लड़ीं, जिनमें अगस्त 2024 में मेक्सिको में जॉन गोटी तृतीय पर जीत भी शामिल है। रिपोर्ट्स के अनुसार, माइक टायसन के साथ उनका एग्ज़िबिशन मुकाबला 25 अप्रैल को कांगो में हो सकता है, हालांकि तारीख और स्थान की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। 59 वर्षीय 'आयरन माइक' टायसन ने नवंबर 2024 में टेक्सास में यूट्यूबर से पेशेवर मुक्केबाज बने जेक पॉल के खिलाफ मुकाबला लड़ा था, जिसमें उन्हें एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। उस मुकाबले को करीब 70 हजार दर्शकों ने स्टेडियम में देखा, जबकि दुनिया भर में लाखों लोगों ने प्रसारण के जरिए मुकाबला देखा।

दुबई चैम्पियनशिप 2026: एलिना स्वितोलिना ने कोको गॉफ को हराकर फाइनल में बनाई जगह, जेसिका पेगुला से होगा मुकाबला

एजेंसी, दुबई

दुबई में खेले जा रहे दुबई चैम्पियनशिप 2026 के महिला एकल सेमीफाइनल में शुक्रवार रात यूक्रेन की स्टार खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने अमेरिका की कोको गॉफ को 6-4, 6-7(13), 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना जेसिका पेगुला से होगा। एलिना स्वितोलिना ने विश्व नंबर चार कोको गॉफ के खिलाफ हालिया जीत की लय को बरकरार रखा। पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में सीधे सेटों में जीत दर्ज करने के बाद यह उनकी गॉफ पर लगातार दूसरी जीत है। लगभग तीन घंटे तक चले इस रोमांचक मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले सेट में दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन कोको गॉफ डबल फॉल्ट से जूझती नजर आईं, जिसका फायदा उठाते हुए स्वितोलिना ने 6-4 से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में गॉफ ने जोरदार वापसी की और अपने जुझारू खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया। 15-13 के रोमांचक टाईब्रेक में गॉफ ने चार मैच प्वाइंट बचाकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया, जिससे दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। निर्णायक तीसरे सेट में मुकाबला बेहद

करीबी रहा। नौवां गेम अहम साबित हुआ, जो कई बार ड्यूस तक पहुंचा। आखिरकार स्वितोलिना ने संयम बनाए रखते हुए 5-4 की बढ़त बनाई और फिर सर्विस होल्ड करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। मैच के बाद स्वितोलिना ने कहा, "इतनी कड़ी टक्कर के बाद मैं शब्दों में अपनी भावना व्यक्त नहीं कर सकती। मैंने हर पॉइंट ऐसे खेला जैसे कोई कल नहीं है। फाइनल में दोबारा पहुंचना मेरे लिए बेहद खास है। कोको एक बड़ी फाइटर हैं और मुझे उनकी वापसी की उम्मीद थी।" दूसरे सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला ने अपनी हमवतन अमांडा अनिसिमोवा को 1-6, 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब खिताबी मुकाबले में स्वितोलिना और पेगुला के बीच रोमांचक भिड़ंत देखने को मिलेगी।

हरमनप्रीत कौर बनीं दुनिया की सबसे अधिक मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर, सूज़ी बेट्स का रिकॉर्ड टूटा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की महिला विश्व कप विजेता टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी-20 मुकाबले में मैदान पर उतरते ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बना दिया। हरमनप्रीत ने भारत के लिए अपना 356वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर यह मुकाम हासिल किया और इस तरह उन्होंने न्यूजीलैंड की महान क्रिकेटर सूजी बेट्स को पीछे छोड़ दिया, जो पहले इस सूची में शीर्ष पर थीं। हरमनप्रीत ने 2009 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और तब से अब तक वह छह टेस्ट, 161 वनडे और 189 टी-20 मुकाबले खेल चुकी हैं। महिला क्रिकेट में उनका योगदान अभूतपूर्व माना जाता है। आईसीसी के अनुसार, वह भारत में महिला क्रिकेट क्रांति का एक बड़ा चेहरा रही हैं, और पिछले वर्ष उनकी कप्तानी में भारतीय

टीम ने पहली बार विश्व चैंपियनशिप खिताब अपने नाम किया था। मैदान पर उनके नेतृत्व और स्थिरता ने टीम इंडिया को महिला क्रिकेट की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। दूसरे टी-20 के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच अमोल मजुमदार ने हरमन की तारीफ करते हुए कहा, "हरमन भारत के लिए हमेशा एक खास खिलाड़ी रही हैं। खेल के इतिहास में सबसे अधिक मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी बनना बेहद बड़ी उपलब्धि है और हम सभी उन्हें इसके लिए दिल से बधाई देते हैं।" बल्ले से भी हरमनप्रीत का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने 140 वनडे पारियों में 37.05 की औसत से 4,409 रन बनाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 200 रन हैं, जबकि टी-20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 3,820 रन बनाए हैं। कुल मिलाकर वह भारत के लिए आठ शतक और 38 अर्धशतक लगा चुकी हैं। मुश्किल परिस्थितियों में मैच फिनिश करने और टीम को संभालने की उनकी क्षमता ने उन्हें आधुनिक दौर की सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल किया है। अपनी इस उपलब्धि पर हरमनप्रीत कौर ने कहा, "यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। मैं हमेशा टीम के लिए कड़ी मेहनत करना चाहती हूं और उम्मीद है कि आगे भी देश के लिए जितना संभव हो सके उतना खेलती रहूं।" उनके इस बयान में न सिर्फ उपलब्धि का संतोष झलकता है, बल्कि आने वाले वर्षों में भारतीय महिला क्रिकेट को नई दिशा देने की उनकी प्रतिबद्धता भी साफ दिखाई देती है।

कृतिका कामरा

और गौरव कपूर की वेडिंग डेट हुई फिक्स, बिना किसी शोर शराबे के सादगी से सात जन्मों के बंधन में बंधेगा कपल

एक्ट्रेस कृतिका कामरा और क्रिकेट कमेंटेटर गौरव कपूर इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। जल्द ही दोनों के घर शादी की शहनाई बजने वाली है। लंबे समय से फैंस दोनों की शादी का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच उनकी शादी की डेट भी फिक्स हो गई है। तो ये कपल अगले महीने पति-पत्नी बन जाएंगे। तो आइए जानते हैं कपल की वेडिंग डेट..सबसे पहले आपको बता दें कि कृतिका कामरा और गौरव कपूर 11 मार्च को शादी के बंधन में बंधेंगे। दोनों ने बिना किसी शोर शराबे और दिखावे के सिंपल तरीके से शादी करने का फैसला किया है।

बताया जा रहा है कि दोनों घर पर ही निजी साइनिंग सेरेमनी में शादी करेंगे, जिसमें केवल घर के लोग ही शामिल होंगे। हालांकि, शादी के बाद दोनों ने रिसेप्शन पार्टी देने का फैसला किया है, जो कि 12 मार्च को होस्ट की जाएगी। इस खास मौके पर कई टीवी और बॉलीवुड के स्टार्स और कई क्रिकेटर्स शामिल होंगे।

कपल के करीबी सूत्रों की मानें तो दोनों का यह मानना है कि वह बिना दिखावे के ऐसी शादी करें जिसमें ढेर सारी यादें हों। ऐसे पल जिसे आप जी सकें। वह परंपराओं का सम्मान करते हैं। इसीलिए वह अपने परिवार के साथ सादगी, अपनापन और अपनों की खुशियों के बीच इन खास पलों को शेयर करना चाहते हैं।

बता दें, कृतिका कामरी की यह गौरव से पहली शादी है, जबकि गौरव कपूर इससे पहले किरत भट्टल के साथ शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों ने साल 2014 में शादी की थी और साल 2021 में दोनों का तलाक हो गया। फिर इसके बाद वे कृतिका के रिलेशन में आए और 2025 में दोनों ने अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया। वहीं, अब जल्द ही दोनो शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं।

रणवीर सिंह

के धमकी मामले में बड़ा खुलासा, अमेरिकी कनेक्शन आया सामने

एक्टर रणवीर सिंह को हाल ही में कथित तौर पर बिश्नोई गैंग की ओर से धमकी मिलने का मामला सामने आया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनसे 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई थी। वहीं, अब इस केस में एक नया खुलासा हुआ है कि

धमकी भरा वॉइस नोट एक अमेरिकी नंबर से भेजा गया था।

सूत्रों के मुताबिक, मुंबई क्राइम ब्रांच ने अपनी शुरुआती जांच में पाया कि यह संदेश विदेश से संचालित नंबर के जरिए भेजा गया। संबंधित नंबर की विस्तृत जानकारी जुटाने के लिए भारतीय एजेंसियां प्रोटोकॉल के तहत अमेरिका की संबंधित एजेंसी से संपर्क कर रही हैं, ताकि कॉल और डिजिटल गतिविधियों का रिकॉर्ड हासिल किया जा सके।

जांच में यह भी सामने आया कि बिश्नोई गैंग से जुड़े बताए जा रहे शख्स 'हैरी बॉक्सर' ने कथित तौर पर यह वॉइस नोट भेजा था। बताया जा रहा है कि यह धमकी एक्टर के मैनेजर के व्हाट्सऐप नंबर पर आई थी। प्राथमिक जांच में वॉइस सैंपल की जांच के बाद एजेंसियों को शक है कि आवाज उसी व्यक्ति की हो सकती है, हालांकि इस संबंध में पुख्ता सबूत जुटाने की प्रक्रिया जारी है।

क्राइम ब्रांच सूत्रों के अनुसार, यह वॉइस नोट निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग की घटना के बाद भेजा गया था। इस धमकी के सामने आने के बाद रणवीर सिंह की सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। पुलिस ने एक्टर के मैनेजर का बयान दर्ज कर लिया है और मामले की विभिन्न एंगल से जांच की जा रही है।पहले यह भी जानकारी सामने आई थी कि धमकी भेजने के लिए वीपीएन नेटवर्क का इस्तेमाल किया गया था, जिससे लोकेशन विदेश की दिखाई दे रही थी। डिजिटल ट्रेल को ट्रैक करने के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों, जिनमें इंटरपोल की सहायता भी शामिल बताई जा रही है, से संपर्क किया गया है।

फिलहाल जांच एजेंसियां तकनीकी साक्ष्य जुटाने और कॉल डिटेल्स की पुष्टि करने में लगी हुई हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस हर पहलू की गहन जांच कर रही है।

हाथ में मंगलसूत्र पहनकर निकले प्रियंका चोपड़ा के पतिदेव, जनता बोली- ग्रीन फॉरेस्ट हैं जीजू

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही पर्सनल लाइफ को लेकर भी हर तरफ छाई रहती हैं. प्रियंका चोपड़ा की उनके पति निक जोनस संग केमिस्ट्री अक्सर चर्चा में बनी रहती है. इसी बीच हाल ही में निक जोनस से कुछ ऐसा पोस्ट कर दिया, जिसे देखकर फैंस के चेहरों पर खुशी आ गई और लोगों ने उनकी तारीफें करनी शुरू कर दीं. निक जोनस अपनी पत्नी की अपकमिंग फिल्म 'द ब्लफ' को सपोर्ट करते हुए नजर आए और एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट की जो आते ही छा गई.निक जोनस की इस वीडियो में प्रियंका चोपड़ा की अगली फिल्म 'द ब्लफ' को प्रमोट करने के लिए एक खास ड्रिंक बनाई और इस वीडियो में उनके लुक ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया. इस वीडियो में निक जोनस अपनी पत्नी का मंगलसूत्र हाथ में पहने दिखाई दिए, जिसपर लोगों ने उनकी तारीफों के पुल बांधने शुरू कर दिए.

निक जोनस ने पहना मंगलसूत्र का ब्रेसलेट

निक जोनस ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो प्रियंका की फिल्म को मजेदार तरीके से सपोर्ट करते दिखे. उन्होंने फिल्म में उनके कैरेक्टर से इंस्पायर्ड एक कॉकटेल तैयार किया. आइडिया बताते हुए उन्होंने कहा, दोस्तों, ये Amazon Prime पर प्रियंका की फिल्म The Bluff का प्रीमियर है. ये जबरदस्त है, मैंने इसे दो बार देखा है. उनके कैरेक्टर का नाम क्च्यश्शस्त्र4 रूहै, इसलिए मैं एक Bloody Mary बनाऊंगा. फिर उन्होंने ड्रिंक में मसाला डालकर प्रियंका को दी, तो वो मुस्कुराई और जवाब दिया, तुम्हारी रेसिपी सबसे अच्छी है.

लोगों ने दिए ऐसे रिक्शंस

इस वीडियो में सबका ध्यान निक जोनस के ब्रेसलेट ने खींच लिया. दरअसल, निक जोनस ने प्रियंका चोपड़ा के मंगलसूत्र को अपने हाथ में ब्रेसलेट की तरह पहना हुआ था. इसे देखने के बाद सोशल मीडिया पर इमोशनल रिएक्शन्स की बाढ़ आ गई। एक फैन ने लिखा, अगर आपने ध्यान दिया हो कि ये मंगलसूत्र है.

निक जीजू ग्रीन फॉरेस्ट हैं जबकि दूसरे ने कमेंट किया, ओह उन्होंने मंगलसूत्र ब्रेसलेट पहना है यार.एक यूजर ने लिखा, रूलाएगा क्या पगले. दूसरे ने कमेंट किया, यार इस शख्स ने तो दिल जीत लिया.

क्या वाकई कंगाल हो गए हैं गोविंदा? भांजे ने बता दी सच्चाई, जानें क्या कहा

बॉलीवुड के हीरो नंबर 1 कहे जाने वाले गोविंदा प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में छाए रहते हैं. गोविंदा को लेकर इन दिनों सोशल मीडिया पर तमाम तरह की अफवाहें उड़ रही हैं. हाल ही में ऐसी अफवाह भी सामने आई, जिसमें कहा गया कि गोविंदा पैसों की तंगी से गुजर रहे हैं. वहीं, कुछ रिपोर्ट्स में तो ये भी दावा किया जा रहा है कि 90 के दशक के सुपरस्टार सड़क पर आ गए हैं गोविंदा को लेकर चल रही इन खबरों पर अब उनके भांजे विनय आनंद ने रिएक्ट किया है और इन दावों को बेबुनियाद और बेतुका बताया.

कभी गोविंदा के तलाक की अफवाह उड़ती है, कभी उनके अफेयर की तो कभी उनके करियर के डाउनफॉल की. हद तो तब हो गई जब सोशल मीडिया पर ये तक कहा गया कि गोविंदा बैंकरप्ट हो गए हैं और उनके पास पैसे नहीं बचे हैं. अब इन तमाम खबरों पर उनके भांजे और एक्टर विनय आनंद ने खुलकर जवाब दिया है.

गोविंदा के भांजे ने बताई सच्चाई ?

एक पॉडकास्ट पर बात करते हुए भोजपुरी स्टार और गोविंदा के भांजे विनय ने अपने मामा के रुतबे और पैसे की हालत का बचाव किया और कहा, वो एक सुपरस्टार हैं, गोविंदा आज भी एक जगह खड़े हो जाएं, 25-30 लाख रुपये आराम से मिल जाएं. विनय ने इस बात पर जोर दिया कि गोविंदा अभी भी शो के लिए अच्छी-खासी फीस ले सकते हैं, उन्होंने गॉसिप फैलाने वालों पर गुस्सा जाहिर करते हुए कहा, लोग लिख रहे हैं गोविंदा सड़क पर आ गए, गोविंदा के साथ ये हो गया अबे पागलों, किधर हो, किसके लिए बकवास कर रहे हो.

गोविंदा की तारीफ में बांधे पुल

विनय ने 1990 के दशक में गोविंदा के पीक स्टारडम की याद दिलाई, जब वो बॉलीवुड में सबसे ज्यादा पैसे पाने वाले एक्टर्स में से एक थे. उस जमाने की उनकी कमाई के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, जब लोखंडवाला में 12-13 लाख में फ्लैट आता था, तो वो एक फिल्म के लिए 1 करोड़ चार्ज करते थे. उन्होंने लगभग 70 से 80 फिल्मों में काम किया और करोड़ों कमाए, उस समय जब इंडस्ट्री में इतने पैसे मिलना मुश्किल था.

अफवाहों को किया खारिज

अफवाहों को खारिज करते हुए विनय ने कहा, तुम इतने बड़े लेजेंड के बारे में ऐसे कैसे बेवकूफी वाली बातें कर सकते हो. मुझे बहुत अजीब लगता है. एक ऐसे एक्टर के बारे में ऐसी बातें फैलाना गैर-जिम्मेदाराना है, जिसने इंडियन सिनेमा में बहुत बड़ा योगदान दिया है और दशकों तक सफलता पाई है.उनका नाम अक्सर ट्रेंड करता रहता है, जिससे साबित होता है कि उनकी पॉपुलैरिटी बनी हुई है.